पटियाला तथा पूर्वी पंजाब रियास्ती संघ सरकार

अर्थ विभाग

पटियाला तथा पूर्वी पंजाब रियास्ती संघ

बजट सम्बन्धी

व्याख्यात्मक स्मार पत्र

सन् १९५१-५२

१ अप्रैल १९५१ से ३१ मार्च १९५२ तक

पटियाला तथा पूर्वी पंजाब रियास्ती संघ सरकार

के

अर्थ सचिव का १६५१-५२ वर्ष के अनुमानित बजट

पर

आय व्ययक की व्याख्या

रोकड़

१. (क) १३-४-१६५१/१-१-२००७ की पटियाला तथा पूर्वी पंजाब रियास्ती संघ का रोकड़ संतुलन जिसका विवरण निम्नलिखित है।

	रु०	आ०	पा०
धनागार में रोकड़	२,५७,४६,०२१	१०	७
बैंकों में रोकड़	१,६२,४२,२२६	७	१
योग	४,१६,६१,२५१	१	८

इसी वर्ष यह ज्ञात हुआ है कि उस समय के राज्य कपूरथला के कुछ प्रधान कर्मचारियों ने राज्य की निक्षेप लेखाएं, इम्पीरीयल बैंक आफ इण्डिया, जालंधर के साथ सम्बन्धित कर रखी थीं, और उनको स्थापित किया हुआ था। ऐसी लेखाओं का नम्बर ४५ था और यह समस्त सम्पत्ति १२.२३ लाख रुपए थी, ५-५-२००५ को जब पैपसू बनाई गई थी, प्राप्त लेखा संतुलन में यह धन सम्मिलित नहीं किया गया था। १२.२३ लाख की इस सम्पत्ति में से ७८,००० हजार जो अराजकीय निक्षेप सम्बन्धी सम्बन्धित पत्रों के नाम परिवर्तित किया गया और ११.४५ लाख रु० का सन्तुलन, वर्तमान वर्ष के रोकड़ सन्तुलन में लिया गया है।

नोट : बैंकों की सम्पत्ति में ३,२५३ रु० ४ आने ११ पाई का सम्पत्ति सम्मिलित है जो उस समय के राज्य पटियाला की लेखा की सन्तुलन प्रगट करती है जो अलाइंस बैंक आफ शिमला लिमिटिड जिसका निस्तारण निकल चुका है की शाखाओं में से है। अग्रिम वर्ष में ६ पाई प्रति रुपया अन्तिम लाभांश की आशा है।

इनके अतिरिक्त अधिक वर्षा सहायता निधि, बाढ़ सहायतानिधि आदि क २६ गुप्त लेखाएं हैं, जिनका कुल धन १,१२,९६२ रु० २ आने ८ पाई होता है और ये बैंक आफ पटियाला की बहुत सारी शाखाओं में रखे हुए हैं।५-५-२००५ को प्राप्त रोकड़ संतुलन में ये लेखाएं भी सम्मिलित नहीं की गई थीं, इन लेखाओं के सम्बन्ध में सम्पूर्ण परिस्थिति का पता लगाने के लिए प्रयत्न किया जा रहा है।

सरकारी सिकिउरटियां

१-१-२००६ वि० (१३-४-१९४९) को राज्याधीनांतर्गत सरकारी सिकिउरटियों का कुछ अंकित मूल्य ४,०७,४३,४१५ रु० था २००६ वि० (१९४९-५०) के अन्तर्गत ६०,००० हज़ार रु० के अंकित मूल्य के ४ प्रतिशत पंजाब ऋण पत्र प्राप्त किए गये थे और चिकित्सालय निधि के लिए १०,६६,९१२ रु० ८ आने बैंक आफ पटियाला के रोकड़ सर्टीफिकेट प्राप्त किए गए थे। २६,२५,६०० रु० का ऋण जो कि ३ प्रतिशत के हिसाब १९४९-५२ का था उसे २६,३८,७०० रु० के २$\frac{3}{4}$ प्रतिशत के हिसाब से १९६२ में परिवर्तन करने पर १३,१०० रुपए की वृद्धि हुई। १३-४-१९५० को सरकारी सिकिउरटियों में राज्य के पूंजी लगाने का जोड़ ७वें पृष्ठ के सविस्तर विवरण के अनुसार ४,१७,६३,४२७ रु० ८ आने हुआ। चालू आर्थिक वर्ष के अंतर्गत ५,२०,१०० के ३ प्रतिशत के पंजाब ऋण पत्र १०२ रु० ४ आने प्रतिशत पर विक्रय किए गए थे, और ३ प्रतिशत के १९४९ के परिवर्तित ऋण पर व्यय की हुई आय और ५,३१,८०० रुपए के अंकित मूल्य की सिकिउरटियां ९३ रुपए १ आना प्रतिशत पर खरीदी गई थी।

१०,१०० रुपए के अंकित मूल्य की ३ प्रतिशत वाली १९४९-५२ के ऋण की सिकिउरटियां जो १९४९ में परिपक्व हुई रिजर्व बैंक आफ इंडिया देहली के पास प्राप्ति के लिए भर दी गई,—और चालू आर्थिक वर्ष में आय के मिलने की सम्भावना है। — यदि वर्ष के अंतर्गत अन्य व्यवहार

न किया गया तो --१९५०-५१ की समाप्ति पर सरकारी सिक्युरिटियों में कुल विनियोग ४,१७,६५,१२७ रु० ८ आने हो जायगा।

सरकारी सिक्युरिटियों में सकल विनियोग सहित ५ साल के सर्टीफिकेटों को हुँडियों के रूप में रखा गया था। तीन तीन रकमों के लिए १,१८६ हुँडियां थीं, और उनके सुरक्षा कार्य को सुगम करने का निर्णय किया, कि इन हुँडियों को प्रत्येक ऋण के लिए स्कन्ध प्रमाणपत्रों (स्टाक सर्टीफिकेट) में परिवर्तित किया जाए। इस कार्य के पूर्ण होने होने की आशा चालू आर्थिक वर्ष की समाप्ति के पूर्व है और तदुपरान्त आधुनिक १,१९१ रुपए की प्रतियोगिता में केवल २८ प्रलेख ही सरक्षा के लिए रह जायेंगे। आकस्मिक रूप में कैश कराने के लिए ३ प्रतिशत १९५९-६१ के ऋण की ५७ लाख अंकित मूल्य की १८७ हुँडियों को, अधिक मूल्य वाली ६ हुँडियों में परिवर्तित किया जा रहा हैं। नवम्बर १९५० को रोकड़ संतुलन में से १½ करोड़ रु० की रकम इम्पीरीयल बैंक आफ इंडिया, अम्बाला शहर में सावधिनिक्षेप और विनियोग पर लगाया गया था, जो १½ प्रतिशत बृद्धि सहित १ वर्ष के पश्चात् प्रतिदान करने योग्य हैं, सावधिनिक्षेप और विनियोग १,२८,१५,००० रु० हैं।

व्यापारिक संस्थाओं पर विनियोजित पूंजी

(ग) वाणिज्य कार्यों पर संघ की विनियोजित पूंजी का जोड़ ५२-७३,४०४ रुपए १ आना था, जिसका विवरण ८वें पृष्ठ पर दिया गया है।

वर्तमान आर्थिक वर्ष में निम्नलिखित भाग रिजर्व बैंक आफ इंडिया के परामर्श से ही बेचे गए थे।

	रु०	आ०	पा०
श्री गोपाल पेपर मिल्ज़ लिमिटिड	२६,०२०	०	०
टीटा गढ़ पेपर मिल्ज़ लिमिटिड	१५,१७८	८	०

शाम जी कर्मसी द्वारा विनियोजित पूंजी में से १०,१३१ रुपये १ आने की रकम प्राप्त की गई थी। ५ लाख रुपये की रकम जगज्जीत काटन टैक्सटाईल मिल्ज लिमिटिड के ६ प्रतिशत वृद्धि के ऋणपत्र और पूंजी लगाई गई थी। वर्तमान आर्थिक वर्ष की समाप्ति पर व्यापारिक संस्थाओं पर विनियोजित पूंजी का जोड़ ५७,१६,०७४ रुपये ८ आने होगा।

वर्तमान आर्थिक वर्ष पर संघ की समूह पूंजियों का योग निम्न-लिखित विवरणानुसार ६,०२,६६,२०२ रुपये होगा।

	रु०	आ०	पा०
सरकारी सिकिउरटियां	४,१७,६५,१२७	८	०
सावधि निक्षेप	१,२८,१५,०००	०	०
व्यापारिक संस्थाओं पर विनियोजित पूंजी	५७,१६,०७४	८	०
योग	६,०२,६६,२०२	०	०

वर्तमान सरकार को यह ज्ञात हुआ है कि जींद राज्य के डाक खाना प्राधिकारियों के द्वारा १ लाख रुपये की रकम पैपसू निर्माण के अवसर पर जींद राज्य द्वारा प्राप्त रोकड़ सन्तुलन के योग में अंकित नहीं की गई थी। विनियोजित पूंजीयां निम्नलिखित विवरण के अनुसार हैं।

जातीय संचय प्रमाण पत्र	५,०००	०	०
सावधि निक्षेप की आय	६०,०००	०	०
युद्धीय निक्षेप	५,०००	०	०
योगफल	१,००,०००	०	०

उपर्युक्त वर्णित निक्षेप की आय तथा प्रमाण पत्र जींद राज्य के डाकखानों के सुपरिन्टैंडैंटों के पक्ष में प्रचलित किये गये थे। यह अर्थ विभाग द्वारा केवल जनवरी १९५१ में प्राप्त किये गये, क्योंकि डाकखाना विभाग भारत सरकार ने ले लिया है, ये अधिकार अनुसार उनके

साथ सम्बन्ध रखते हैं, और यह प्रस्तुत किया गया कि इन्हें भारत सरकार से सम्बन्धित किया जाये।

प्रणीवि (फंड)

सम्वत् २००५ की समाप्ति पर पुनः संस्थापित ७ फंडों का संतुलन २,०१,४६३ रु० था। २००६ वि० तक पैपसू द्वारा सम्मिलित राज्यों से प्राप्त २½ करोड़ रुपये के कुल मूल्य की अनिश्चित सिकिउरटियां जनरल संचित फंड में एकत्रित की गई थीं। १५,२१,५०० रुपए के संतुलन का चिकित्सालय फंड भी जिनमें कि १०,६६,६१२ रुपये ८ आने के बैंक आफ पटियाला के रोकड़ प्रमाण पत्र थे समधिक फंड के रूप में लिया गया था।

सम्वत् २००६ वि० के आरम्भ और समाप्ति के सन्तुलनाभ्यन्तर फंडों का व्यय निम्न विवरण के अनुसार है।

क्रमांक	फंड का नाम	१-१-२००६ का अवशिष्ट	२००६ वि० का व्यय	२००६ की समाप्ति पर अवशिष्ट
			लाखों रुपयों में	
१	विकास फंड	१००.००	२.७१	९७.२९
२	सहायता फंड	३०.००	.९८	२९.०२
३	पश्चवर्ती वर्ग फंड	१५.००	.५५	१४.४५
४	ग्राम सुधार फंड	३०.००	--	३०.००
५	उत्पादनवर्धोकृषि और प्राप्ति आयोजन सम्बन्धी फंड	७.७३	३.८०	३.९३
६	यक्ष्मावरोध फंड	.२६	--	.२६
७	जनरल संचिति फंड	२६८.६५	--	२६८.६५
८	चिकित्सालय फंड	१५.२२	--	१५.२२
	योग	४६६.८६	८.०४	४५८.८२

सम्वत् २००६ वि० में भूपेन्द्रा राजकीय मुद्रणालय और टैलीफ़ोन के अवमूल्यन फ़ंड में ५०,००० रुपये और १०,००० रुपये बढ़ाये गये थे। जिसके कारण इन फंडों का सन्तुलन क्रमशः ३,००,००० और ५०,००० रुपये तक हो गया।

सम्वत् २००६ के लिये नागरिक सूची के संचिति फंड का आरम्भिक सन्तुलन १२,७७,६२४ रुपये था। इस में ८ लाख रुपये की वृद्धि थी, और वर्ष में कुल प्रत्याहृत (रकम) १७,४५,०९२ रुपये बन गई, वर्ष की समाप्ति पर ३,३२,५३२ रुपये सन्तुलन रहा। जो निम्नलिखित है।

मालेरकोटला	७१,६२६ रु०
जींद	२,३३,८७३ रु०
कलसीया	२५,००० रु०
नालागढ़	२,०३० रु०
योग	३,३२,५३२ रु०

इसलिये सम्वत् २००६ विक्रम की समाप्ति पर पूर्वोक्त फंडों का योग निम्नलिखित विवरण के अनुसार है।

चतुर्थ पृष्ठ पर वर्णित आठ फंडों का योग	४,५८,८२,३६३ रु०
अवमूल्यन फ़ंड	३,५०,००० रु०
नागरिक सूची के संचिति फंड	३,३२,५३२ रु०
योग	४,६५,६४,८९५ रु०

सम्वत् २००६ वि० की समाप्ति पर विभिन्न फंडों और निश्चित पंजियों के विवरण इस आय व्ययक व्याख्या के साथ अनुबन्धित किये गये हैं।

सम्वत् २००६ वि० की समाप्ति पर संघ का देयधन और सम्पत्ति तथा देयधन का शुद्धाधिक्य, निम्नानुसार है।

	सकल सम्पत्तियां	रु०	आ०	पा०
१.	स्थायी अग्रिम	५१,०५०	२	०
२.	संदेहग्रन्थाग्रिम	१,१६,५६,१२३	६	०
३.	अन्याग्रिम	६,६०,६५०	११	११
४.	प्रचलित प्रलेखों का शुद्ध सन्तुलन	६६,७७,०१३	०	२
५.	विस्थापक व्यक्तियों, पैपसू विकास समिति, वैयक्तिक और औद्योगिक आदि का ऋण	१,२१,६६,६६७	१२	११
६.	सरकारी सिक्युरिटियां	४,१७,६३,४२७	८	०
७.	व्यापारिक कार्यों पर विनियोजित पूंजी	५२,७३,४०४	१	०
८.	स्थायी निक्षेप	३,१५,०००	०	०
९.	रोकड़ ४,१६,६१,२५१ १ ८ +	१२,१४,५५,२१७	११	८

	देयधन	रु०	आ०	पा०
१	फंड	४,६५,६४,८६५	०	११
२	डाकखानों के संचय अधिकोषों में निक्षेप	६८,३६,८५६	१	६
३	अन्य निक्षेप	२,६६,१०,८०२	१	२
४	प्रतिदेय अग्रिम	६,७११	८	०
५	केंद्रीय सरकार द्वारा ऋण	१,०४,२६,३८४	१०	६
६	अन्न संग्रहार्थ अन्य प्रबन्धकों की धरोहर का अवीत शेष	१,२४,०२,८५६	६	०
७	पंजाब के लिये देय जलकर	३,२६,३६३	८	२*
८	प्रकीर्ण देयधन	६१,६२,४६२ १५ ११ + ११,१६,८४,६११	४	१
	देयधन पर परिसम्पत् की वृद्धि	६४,७०,६०६	७	७

*ऋण प्रविष्टि तथ्य ज्ञात कराती है कि सम्मिलित राज्यों में जमा कराई रक़म इससे श्रेणीबद्ध नहीं की गई।

+यह अप्राप्त धनादेशों के अतिरिक्त ५६,७३,६६६ रुपये १३ आने ५ पाई और भारत सरकार के लिये देय संचिति प्रमाण पत्रों के अतिरिक्त १,८८,७६६ रुपये २ आने ६ पाई निरूपण करता है।

१३-४-१९५० को रियास्ती संघ के पास राजकीय हुण्डियों की तालिका

अ, स,		ऋण का नाम	मूल्य
			रु० आ० पा०
१,	३ प्रतिशत	१९५३—५५	१४,२०,०००—० ०
२,	४ ,,	१९६०—७०	३४,७६,६००—०—०
३,	३ ,,	विजय ऋण १९५७	६१,५१,१००—०—०
४,	४ $\frac{१}{२}$,,	१९५५—६०	२,००,०००—०—०
५,	३ ,,	१९७०—७५	२८,४८,४००—०— ०
६,	३ ,,	१९६३—६५	३२,०७,८००—०—०
७,	३ ,,	१९६६—६८	३५,००,०००—०—०
८,	३ ,,	१९५९—६१	५७,००,०००—०—०
९,	३ ,,	परिवर्तन ऋण १९४६	४७,१५,९००—०—०
१०,	३ ,,	१९४९—५२	१०,०००—०—०
११,	३ ,,	पञ्जाब बन्ध १९४९	५०,०००—०—०
१२,	४ ,,	पञ्जाब बन्ध १९४८	२,०००—०—०
१३,	३ ,,	१९५१—५४	९,२०,४००—०—०
१४,	२ $\frac{३}{४}$,,	१९६२	३२,३८,७००—०—०
१५,	३	पञ्जाब बन्ध १९५५	२,००,०००—०—०
१६,	३ ,,	,, १९५६	४,५०,०००—०—०
१७,	३ ,,	,, १९५८	२०,१००—०—०

१८,	$२\frac{१}{२}$ प्रतिशत	१९६१	७,१०,०००—०—०
१९,	$२\frac{३}{४}$,,	१९६०	१५,००,०००—०—०
२०,	जातीय संचिति प्रमाण पत्र		२३,७५,५१५—०—०
२१,	बैंक आफ़ पटियाला रोकड़ प्रमाणपत्र,		१०,६६,९१२—८—०
		योग	४,१७,६३,४२७—०—०*

*नोटः आंकड़े निरूपण करते हैं कि लागत से २८, २२५ रुपए ७ आने अतिशय हैं।

१३-४-१६५१ को संघ का वाणिज्य कार्यों में लगाए हुए धन की तालिका

क्रम:	प्रमण्डल नाम	धन
१	बैंक आफ पटियाला	१५,००,००० ० ०
१	पटियाला सीमिंट कम्पनी	१,६०,००० ० ०
३	पटियाला अलैक्ट्रोनिक लि०	५,००,००० ० ०
४	पटियाला इन्शोरैंन्स कारपोरेशन	५,००,००० ० ०
५	धौलपुर गलास वर्कस लि०	५०,००० ० ०
६	श्री उदय भानु इन्डस्ट्रीज़ लि०	३,५०,००० ० ०
७	ऐम्बीका हवाई लाईना लि०	२,००,००० ० ०
८	जींद इन्डस्ट्रीज़ लि०	२५,००० ० ०
६	डालमीया सीमिंट लि०	८०,५०० ० ०
१०	डालमीया दादरी सीमिंट लि० (डालमीया नगर दादरी)	४,८०,००० ० ०
११	भारतीय जातीय वायुवर्ग लि०	६,१०० ० ०
१२	ए, टी सी, आई नूतन देहली	७,३४३ १२ ०
१३	हरेन्द्र आईस ऐण्ड जनरल मिल्ज़ कम्पनी लि० फरीदकोट	२०,००० ० ०
१४,	कपूरथला स्टेट सैंट्रल कोओपोरेटिव बैंक लि०	१,००,०००—०—०
१५,	सुखजीत स्टार्च ऐण्ड केमिकल लि०	१५,०००—०—७
१६,	डालमिया जैन वायुमार्ग लि०	५१,२५०—०—०
१७	मैसूर पेपर मिल्ज़ लि०	७,०२५—०—०

१८,	श्री कृष्ण राजेन्द्र काटन मिल्ज़ लि०	१८,६४७—८—०
१६,	टीटागढ़ पेपर मिल्ज़ लि०	१५,१७८—८—०
२०,	कलकत्ता लैण्डिंग ऐंड शीपिंग कं० लि०	३८,३६६—४—०
२१,	जगतजीत काटन टैक्सटाईल मिल्ज़ लि०	२,००,०००—०—०
२२,	श्री गोपाल पेपर मिल्ज़ लिमि०	२६,०२०—०—०
२३,	मोटर हायर परचेज़	५,००० ०—०
२४,	शाम जी कर्मसी द्वारा विनियोग	६,१४,६४०—१—०
	योग	५२,७३,४०४—१—०

नोटः ऊपर के आंकडे क्रय मूल्य के हैं जो अंकित मूल्य से ५३,८०० रुपए ४ आने अधिक हैं।

नरेशों की निजी संपत्ति तथा उनका व्यय।

२. उनकी निजी सम्पत्ति के अवलोकनातिरिक्त ३०.५ लाख रुपए की कुल रकम भूतपूर्व राज्यों के नरेशों को दातव्य निश्चित की गई थी। इस रकम में से १५.६८ लाख रुपऐ प्राप्त किए गए हैं और अवशिष्ट लिए जा रहे हैं।

सम्मिलित राज्यों के नरेशों के सन्धि पत्र पालनार्थ अनुच्छेद ११ (१) में भारत सरकार के रियासती विभाग ने निर्णय किया है कि १० लाख रुपए वर्षिक का विशेष महत्व श्री हजूर महाराजा पटियाला के उत्तराधिकारी के लिए देय होगा।

संधानीय आर्थिक संगठन।

पैप्सू का संधानीय आर्थिक संगठन जो १३ अप्रैल १९५० को बलवान हुआ जिसका परिणाम भारत सरकार ने निम्न लिखित विषयों का उत्तरदायित्व लिया!

१. कारपोरेशन कर
२. आय कर (भूमि की आय के अतिरिक्त)
३. केन्द्रीय मादक कर
४. रेलवे
५. डाक तथा टैलीफ़ोन
६. रक्षा (केवल आई, ऐस, ऐफ़.)
७. घनवातिकीय
८. एकस्व, प्रतिलिपि अधिकार तथा सम्मिलित स्टाक कम्पनी,
९. सेवा तथा अन्य संघातक व्यक्तियों की पेंन्शनें,
१०. हिसाब और उनकी जांच पड़ताल,
११. जन संख्या
१२. पुरातत्व,

१३. पार पत्र,
१४. मिट्टी का तेल और उत्स्फोटी कर्म।

सम्मिलित स्टाक कम्पनियां, पटियाला अवलोकन शाला, जन संख्या, पुरातत्व, पारपत्र तथा उत्स्फोटी कर्म का प्रबन्ध भारत सरकार की ओर से एजैंसी के रूप में यूनियन करती है जब कि अन्य विषयों का प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार द्वारा-प्रत्यक्ष रूप में किया जाता है।

सन्धानीय विषयों की आय तथा व्यय, पैपसू धनागारों में केन्द्रीय आय व्यय के हिसाब से प्रत्यक्ष रूप में गिने जाते हैं। और व्यवहार शुद्ध परिणाम परितः रोकड़ प्रत्यादान द्वारा प्रत्येक मास की समाप्ति पर मुख्य-लेखापाल जो संघ के लिए पञ्जाब का मुख्य लेखापाल है, उसके द्वारा निर्णय किया जाता है। केन्द्रीय आय व्यय संघ की शेष रोकड़ की तुलना के आरम्भ में ही लिए गए हैं, क्योंकि संधानीय व्यय साधारण तथा संधानीय आय से अधिक हो जाता है। रोकड़ सन्तुलन की आरम्भ में वृद्धि है जिसका हिसाब पीछे से किया गया है। १३-४-१९५० से दिसम्बर १९५० तक संधानीय कार्यों का शुद्ध परिणाम, संधानीय व्यय का संधानीय आय से २८.९२ लाख रुपए की अधिक वृद्धि थी।

भारतीय राज्यों की राजस्वीय छान बीन करने वाली समिति की बनाई हुई योजना रिपोर्ट के अनुसार इस यूनियन को संधानीय आर्थिक संघठन के परिणामस्वरूप ६६ लाख रुपए के पूर्ण लाभ का अनुमान लगाया गया था। सम्वत् २००६ में संशोधित अनुमानों के आधार पर ४९.७१ लाख रुपए के पूर्ण लाभ का अनुमान लगाया गया था जिसको वर्तमान वर्ष के बजट् पर आय व्ययक व्याख्या में व्याख्यायित किया गया है। सम्वत् २००६ की वास्तविकता से प्रतीत होता है कि संधानीय आर्थिक संगठन के परिणाम स्वरूप संघ की आय लुप्तता और व्ययावशेष क्रमशः ११६.४२ और १४०.५८ लाख रुपए होता है।

और केवल २४.१६ लाख रुपए का पूर्ण लाभ हुआ जो निम्नलिखित विवरण के अनुसार है :—

		लाखों रुपयों में
तालिका नं १ में संघातक आय जो कि केन्द्रीय सरकार की आय से मिल जायगी।		११६.४१
संघातक व्यय जो केन्द्रीय सरकार को करना होगा।		
(क) तालिका नं. २ में दिखाया गया संघातक व्यय	१०७.३३	
(ख) आठ सम्मिलित किये जाने वाली रियास्तों के राजाओं का निजी व्यय	३३.२५	१४०.५८
संधानीय आर्थिक संघटन के परिणाम स्वरूप पैपसू को लाभ।		२४.१६

संधानीय आर्थिक संघटन करारनामे अनुसार जबकि संगठन का परिणाम, संघ को वास्तविक लाभ है, ऐसा लाभ या निजी व्यय की प्राप्ति (जो भी कम हो) केन्द्रीय सरकार की ओर से प्राप्त की जायगी। पैपसू के लिए निजी व्यय की प्राप्ति ३३.२५ लाख रुपए प्रति वर्ष है।

उपर्युक्त गणना के आधार पर भारत सरकार को १९५०—५१ के लिए निजी व्यय के अतिरिक्त केवल २४.१६ लाख रुपए दिए जाएंगे और १९५१—५२ में २४.१६ लाख रुपए का ९० प्रतिशत और इसी तरह १९५९—६० तक जबकि निजी व्यय के लिए समस्त देय धन केन्द्रीय सरकार से ले लिया जायगा।

उपर्य्युक्त वर्णित वास्तविक लाभ अस्थायी है क्योंकि महालेखपाल ने सम्मति दी है कि सम्वत् २००६ के लिए चैत्र मास के अनुरूपक का अन्तिम लेखा होग।

तालिका नं० १

उस आगम का विवरण, जी कि संधानीय आर्थिक संघठन के कारण यूनीयन से लुप्त हो जाएगी।

क्रमांक		लाख रुपयों में	फुट नोट का अभ्युद्देश्य
(क) संधानीय आय जो कि भारतीय सरकार की आय में मिल जाएगी			
१.	कार्पोरेशन कर	.१६	
२.	आयकर	५६.५१	
३.	केन्द्रीय ऐक्साइज़	१२.७२	(१)
४.	रेलवे	३५.०७	(२)
५.	डाकखाने तथा टैलीफून	.०१	(३)
६.	सम्मिलित स्टाक कम्पानयां	.०७	
७.	लेखा और परीक्षण	.०२	
८.	रक्षा	२.८८	
		११६.४	
(ख) कर, जो संधानीय आर्थिक संगठन हो जाने पर बन्द किए जाएंगे,		×	
	ख, का योग	×	
	महायोग	११६.४२	

नोट :—

(१) विवरण निम्नलिखित अनुसार है।

(क) खांड (शूगर)	रु० २.५२ लाख
(ख) दियासलाई (माचिस)	,, ८.०० ,,
(ग) तम्बाकू	,, २.२० ,,
	रु० १२.७२ लाख

(क) संधि के अनुसार भारत सरकार ने कुल २.५७ लाख रु० कपूरथला स्टेट को देना है जो कि पहले एक रियास्त थी। इसमें ५,००० रुपया व्यय के लिए है।

(ख) सम्बत् २००६ में इस हैड के अधीन [वास्तव में ही कोई आय नहीं थी, भारतीय सरकार की ओर से अभी एक सूचना दी है कि सम्बत् २००५ (१९४८—१९४९) के लिए राज्य भाग संबन्धी ८, २१, ८७९ रुपए हैं और सम्पत्तियां तथा देश धन के समायोजन पर अन्तराविष्ट किया जाएगा। ८ लाख रुपया अस्थायी रूप में लिया गया है है।

(ग) प्राप्त अंकड़े आय के केन्द्रीय बोर्ड के १९५०—५१ का अनुमान है।

(२) रेलवेज़ १९४९—५० में समाप्त होने वाले गत तीन वर्षों में भी कुल माध्य आय निम्न लिखित प्रकार से ३५.०७ लाख रु० है।

१९४७—४८	३.०० लाख रु०
१९४८—४९	३९.३८ ,, ,,
१९४९—५०	६२.८४ ,, ,,
तीन वर्ष का योग	१०५.२२ ,, ,,
एक वर्ष का माध्यमान्	३५.०७ ,, ,,

१९४९—५० की रकमों में १४,७७,९३६ रुपए बटवारे से पूर्व प्राप्तव्य शेष सम्मिलित है।

(२) डाकखाने तथा टैलीफून

यह रकम डाकखानों, तारघरों (केन्द्रीय सरकार से प्राप्त होने वाला विभाग) टैलीफोन तथा रेडियो लाइसंस की आय बताती है।

तालिका नं० २

संघातक राजस्वीय संघठन के कारण संघ के शेष व्यय की व्याख्या।

क्रमशः व्याख्या	रकम लाखों में	फुट नोट का अभ्युदेश्य
(क) वह खर्च जो भारतीय सरकार ने करना है		
(१) कर लेने पर व्यय		
(क) केन्द्रीय ऐकसाइज्ज कर	.१५	(१)
(ख) आय पर कर	२.७२	
(२) लेखा तथा परीक्षण	५.७२	(२)
(३) आकाश और वायु की विद्या	——	(३)
(४) सम्मिलित स्टाक कम्पनीयां	.४३	(४)
(५) जनगणना	.०३	
(६) सिवल पैनशन	.५८	(५)
(७) डिफैन्स सरविसिज, (प्रभावी)	८६.८१	(६)
(८) ,, ,, (अप्रभावी)	८.२६	
(क) विभाग का योग	१०७.३३	
(ख) वह खर्चा जो संघानीय आर्थिक संघठन के समय बन्द हो जावेगा।		
	शून्य	
(ख) विभाग का योग	शून्य	
कुल योग फल	१०७.३३	

नोट :—

(१) खांड और ऐकसाईज़ कर कीवसूली पर जो रु० खर्च आया है उस के प्रतिशोध के लिए भारत सरकार ५,००० रु० दे रही थी। यह आय की २.५७ लाख रुपए की कुल रकम में से काटी गई है इसी लिए यहां पर अङ्कित नहीं की गई। इस यूनियन में दिया सलाई का कोई कारखाना नहीं है।

तम्बाकू कर की वसूली पर व्यय निम्न लिखित अनुसार है।

सं० २००६ (१९४९—५०) के लिए यूनियन	लाखों रुपये में
ऐकसाइज़ कर की कुल आय	१८३.८२
तत्कालार्थ उपर्युक्त कुल व्यय	१२.५८
१९५०—५१ के लिए माल के केन्द्रीय बोर्ड के अनुमानाधार पर तत्कालीय तम्बाकू कर आय	२.२०
अनुपाततः (प्रोरैटा) आधार पर वसूली व्यय $\frac{१२.५८ \times २२}{१८३.८२}$	.१५

वसूली की उपर्युक्त विधि भारत सरकार की स्वीकृति से अपनाई गई है।

(२) इन अंकड़ों में सहायता. प्रतिष्ठापन और कंट्रोल विभाग की लेखा ब्रांच के कारण .२३ लाख रुपए का व्यय, उस तारीख तक जिस में ये भाग महांकिक के कार्यालय का अंश समझे जाते थे सम्मिलित है।

(३) भारत सरकार ने यह निर्णय किया है कि द्वितीय वर्ग की अवलोकन शालाओं में किए जाने वाले कार्य को छोड़ कर समूह धातु कर्मिक (मीटरौलोजीकल) कार्य, वैज्ञानिक प्रकृति तथा अन्वेषणीय-कार्यों की भान्ति है जिस की उत्तरदायी यूनीयन रहेगी। भारत सरकार ने १९५०—५१ के लिए व्यय का अनुमान केवल ५०० रु० लगाया है।

इस अनुमान के आधार पर जो संगणना के लिए नगण्य है, कोई आंकड़ा नहीं लिया गया।

(४) इस पद के सम्मुख प्रदत्त रकम इन्डस्ट्रीज़ विभाग की सम्मिलित स्टाक कम्पनियों की शाखाओं का व्यय निरूपण करती है।

(५) सं० २००६ में कुल उत्तर वेतनों (पैन्शनों) का शोधन ११,६७,६००/-रु० था, यह रकम देय धन के उद्देश्य से ली गई है और इसका ५ प्रतिशत जोड़ केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकृत किया गया है। इस मदान्तर्गत सम्मिलित किया गया है।

(६) विवरण निम्न लिखित अनुसार है।

		लाख रुपयों में
फौजी नौकरियों पर व्यय (केवल आई. ऐस. ऐफ़ यूनिटों के लिए)		११७.०५
कमी :		
(१) पटियाला की पांचवीं और ६ यूनिट पर कुल व्यय जोकि केन्द्रीय सरकार से प्राप्तव्य है।	११.२४	
(२) १६४६—४७ का अधि व्यय नवंबर १६४६ से लेकर वर्ष की समाप्ति तक पटियाला की पांचवीं और ६वीं यूनिट के व्ययातिरिक्त आई, ऐस, ऐफ़, की यूनिटों के व्यय के अन्तर	१६,००,	२७.२४
आई, ऐस, ऐफ़ यूनिटों पर शुद्ध व्यय		८६.८१

पटियाला की पांचवीं और ६वीं यूनिटों के व्यय के लिए इस सरकार की ओर से ११.२४ लाख रुपए का उपस्थापित क्लेम अभी डी, सी, ऐस, ए, पैपसू द्वारा तसदीक हो रहा है और भारत सरकार के अन्तिम आदेशों की शीघ्र ही आशा है।

आई, ऐस, ऐफ़ यूनिटों के खर्च के अन्तर सम्बन्धी भारत सरकार की ओर से अभी तक कोई कलेम नहीं किया गया। आरमी हैडकार्टर द्वारा प्रेषित अंकड़े अभी तक कम्पट्रोलर के कार्यालय के अंकड़ों के साथ नहीं मिलाए गए। सम्मिलित राज्यों के हैड़कार्टरों से अंकड़े एकत्रित करने के लिए विशेष कर्मचारीवर्ग नियुक्त किया गया है। और यह आशा है कि कलेम शीघ्र ही तय्यार किया जाएगा। वर्तमान वर्ष के बजट पर आय व्ययक की व्याख्या में, लिए अंकड़े संगणना में अंकित है।

यद्यपि उपयुक्त दोनों मदों का वास्तविक शोधन अभी तक नहीं मिला परन्तु भारत सरकार की आर्थिक मन्त्रिमण्डल की पत्रिका नं. डी ४६४७ बी ११/५० तारीक़ १६ मई द्वारा संगणना में अंकित किया गया है।

(४) १६५०—५१ के बजट पर आय व्ययक की व्याख्या में १०१.७४ लाख रुपए की कुल रकम संघानीय आर्थिक संघठन द्वारा भारत सरकार के लिए देय रकम अंकित की गई थी और १६.३२ लाख रु० की रकम उस प्रलेख द्वारा उन से गृहीतव्य अंकित की गई थी।

भारत सरकार के लिए वास्तविक शोधन ८५.४२ लाख रु० अंकित किया गया था जो इस प्रकार है।

सिकिउरटीयों	११.१८ लाख रु०
रोकड़ में	७४.२८ „ „

उपर्युक्त संगणना सं० २००६ के संशोधित अनुमान पर निर्भर है। कम्पट्रोलर से प्राप्त २००६ के अन्तिम प्रलेखों के अनुसार जो अवस्था २००६ की समाप्ति पर थी वह इस प्रकार है।

(क) भारत सरकार को दातव्य शोधन ।

	संशोधित अनुमान २००६ वि०	वास्तविक २००६ वि०
	लाखों रुपयों में	
(क) पैपसू डाक संचयाधि कोष में सन्तुलन	८४.६८	६८.३७
(ख) टैलीफ़ोन के लिए अवमूल्यन फंड	.५०	.५०
(ग) फौजी फंड	७.४०	४.७७
(घ) संचयाधि कोष निक्षेप के अतिरिक्त डाक निक्षेपों का सन्तुलन	.६८	२४.०२
(ङ) १३-४-१६५० को उन्नति फंड के सन्तुलन का १० प्रतिशत अंश	८.१८	६.७३
योग	१०१.७४	१०७.३६

नोट

(क) पैंपसू डाक संचयाधिकोष में सन्तुलन ।

सं० २००६ के लिए वास्तविक शुद्ध सन्तुलन दिखाते हैं संशोधित अनुमानों में डाक संचयाधिकोष के अतिरिक्त अन्य निक्षेप सम्मिलित किए हुए हैं ।

(ख) फौजी फंड

संशोधित अनुमानों में अंकित ७.४० लाख रु० की रकम फौजी निक्षेप, फौजी रिज़र्व फंड और रैजीमेंण्टिल फंडों के सन्तुलन से बना था ।

डी. सी. ऐम. ए. पैपसू ने कहा है कि रैजीमैण्टिल फंड भारत सरकार को नहीं दिया जायगा और उसने सुझाया है। कि यह सरकार, फंड का सन्तुलन यूनीयन की निक्षेप लेखा में रख सकेगी। कम्पट्रोलर पैपसू की मन्त्रणा से यह सन्तुलन भारत सरकार की प्रदेय रकम में से निकाला गया है। सं० २००६ की समाप्ति पर रैजीमैण्टिल फंडों का सन्तुलन ३,७३,६५८/- रु० था।

(घ) संचयाधिकोष अमानतों के अतिरिक्त डाक अमानतों का सन्तुलन।

संशोधित अनुमानों में इस खाते का सन्तुलन (उपर्युक्त क के अनुसार) डाक संचयाधिकोश अमानतों में सम्मिलित किया गया था।

(ङ) १३-४-१६५० को उन्नति फंड के सन्तुलन का १० प्रतिशत भाग।

इसकी गणना २००६ वि० की समाप्ति पर फंड के वास्तविक सन्तुलन पर लगाई गई है।

संधानीय कर्मचारियों के सहायता भविष्य-निधि और साधारण भविष्यानिधि का सन्तुलन प्रथमतः सम्मिलित नहीं किया गया।

भारत सरकार को पृथक् पैपसू पत्रिका नं० ऐफ़, आई (१) ५।४६- पी ११- ११८२ दिनांक ६-५-१६५० द्वारा यह परामर्श दियागया था। भारत सरकार के निर्णयानुसार भविष्यनिधि का चन्दा देने वाले जिनको केन्द्रीय सरकार ने ले लिया है यूनीयन के साधारण भविष्य निधि का चन्दा देने के उपलक्ष्य में सन्तत रहेंगे। और उनसे प्रत्यादान यूनीयन के लेखों में जमा किए जाएंगे। इसलिए इस लेखे का सन्तुलन वर्तमान संगणना में से छोड़ा गया है।

(ख) भारत सरकार को दातव्य शोधन ।

	संशोधित अनुमान २००६ वि०	वास्तविक २००६ वि०
	लाखों रुपयों में	
(१) आक्षेप पुस्तक और पेशगिआं	१६.१६	२१.६५
(२) संभानीय विभाग से सरकारी कर्मचारियों को पेशगीयां	१३.	.०१
(३) खांड कर	——	७.६६
(४) दियासलाई कर	——	८.२२
योग	१६.३२	३८.१७
पैपसू की ओर से भारत सरकार को शुद्ध दातव्य शोधन	८५.४२	६६.२२

नोट :—

मद (१) और (२)

ये वास्तविक पर निर्भर हैं ।

मद (३) खांड कर

१९४८—४९ और १९४९—५० शर्करा क्लृप्ति अधीन शुद्ध प्राप्ति १६, ७५, ४७० रु० हुई । दो वर्ष के लिए यूनीयन का भाग ५,१४,००० ।- रुपए था, इस लिए केन्द्रीय सरकार के लिए देय रकम केवल ११,११,४७० ।- रु० थी परन्तु २००६ के लेखों में केन्द्रीय सरकार को १९,१०,००० ।- रु० की रकम का ऋण दिया गया जो शर्करा क्लृप्त्यन्तर्गत निक्षेप लेखा में अवशिष्ट सन्तुलन था। भारत सरकार को दिए गए आधिक्य ऋण की गणना ७,९८,५३० ।- लगाई जाती है ।

भारत सरकार ने निर्णय किया है कि यह वृद्धि, संधानीय आर्थिक संघठन के परिणाम स्वरूप सम्पत्ति तथा देयधन की कुल संगणना में यह रकम गिनी जाए। रकम उपर्युक्त योजना रिपोर्ट में क्रमशः सम्मिलित की गई है।

मद (४) दिया सलाई कर

भारत सरकार द्वारा १९४८–४९ के लिए दिया सलाई कर की आय में से पैपसू का भाग ८, २१ ८७९।- रु० सूचित किया गया है। जिस प्रकार केन्द्रीय सरकार ने निर्णय किया है कि संधानीय आर्थिक संघटन के परिणाम स्वरूप सम्पत्ति तथा देयधन की कुल संगणना में यह रकम गिनी जायगी। १९४९—५० के लिए यूनीयन का भाग केन्द्रीय सरकार की ओर से अभी तक नहीं बताया गया।

उपरोक्त कथनानुसार इस सरकार की ओर से भारत सरकार के लिए ६९.२२ लाख रु० की देय रकम दी जा चुकी है और केवल ४.२२ लाख रु० का सन्तुलन भारत सरकार को देना शेष है।

उन्नति फंड के १० प्रति अंश के प्रति ८.१३ लाख रुपए की सिकिउरटियां और डाक अमानतों के प्रति ३ लाख रुपयों की सिकिउरटियां जो केन्द्रीय सरकार को देय निश्चित हुई हैं। इनके अतिरिक्त डाक अमानतों के प्रति व्यापारिक कार्यों में २ लाख रु० के भाग और उन्नति फंड के १० प्रतिशत भाग के प्रति १.३० लाख रुपए के भाग भी निश्चित किए गए हैं। व्यापारिक कार्यों के भागों में से डाक अमानतों के प्रति २ लाख रुपए एम्त्रीका विमान प्रमण्डल लि० जिस का निस्तारण (दीवाला) निकल चुका है का भाग है जबकि १.३० लाख रुपए का सन्तुलन संशयात्मक विनियोग में है।

वास्तविक शोधनार्थ निम्न लिखित प्रबन्ध प्रस्तावित किया गया है।

(ख) भारत सरकार को दातव्य शोधन।

	संशोधित अनुमान २००६ वि०	वास्तविक २००६ वि०
	लाखों रुपयों में	
(१) आक्षेप पुस्तक और पेशगिआं	१६.१६	२१.६५
(२) संगानीय विभाग से सरकारी कर्मचारियों को पेशगीयां	१३.	.०१
(३) खांड कर	——	७.६६
(४) दियासलाई कर	——	८.२२
योग	१६.३२	३८.१७
पैपसू की ओर से भारत सरकार को शुद्ध दातव्य शोधन	८५.४२	६६.२२

नोट :—

मद (१) और (२)

ये वास्तविक पर निर्भर हैं।

मद (३) खांड कर

१६४८—४६ और १६४६—५० शर्करा क्लृप्ति अधीन शुद्ध प्राप्ति १६, ७५, ४७० रु० हुई। दो वर्ष के लिए यूनीयन का भाग ५,१४,०००/- रुपए था, इस लिए केन्द्रीय सरकार के लिए देय रकम केवल ११,११,४७०/- रु० थी परन्तु २००६ के लेखों में केन्द्रीय सरकार को १६,१०,०००/- रु० की रकम का ऋण दिया गया जो शर्करा क्लृप्त्यन्र्तत निक्षेप लेखा में अवशिष्ट सन्तुलन था। भारत सरकार को दिए गए आधिक्य ऋण की गणना ७,६८,५३०/- लगाई जाती है।

भारत सरकार ने निर्णय किया है कि यह वृद्धि, संधानीय आर्थिक संघठन के परिणाम स्वरूप सम्पत्ति तथा देयधन की कुल संगणना में यह रकम गिनी जाए। रकम उपर्युक्त योजना रिपोर्ट में क्रमशः सम्मिलित की गई है।

मद (४) दिया सलाई कर

भारत सरकार द्वारा १९४८–४९ के लिए दिया सलाई कर की आय में से पैपसू का भाग ८, २१ ८७९।- रु० सूचित किया गया है। जिस प्रकार केन्द्रीय सरकार ने निर्णय किया है कि संधानीय आर्थिक संघटन के परिणाम स्वरूप सम्पत्ति तथा देयधन की कुल संगणना में यह रकम गिनी जायगी। १९४९—५० के लिए यूनीयन का भाग केन्द्रीय सरकार की ओर से अभी तक नहीं बताया गया।

उपरोक्त कथनानुसार इस सरकार की ओर से भारत सरकार के लिए ६९.२२ लाख रु० की देय रकभ दी जा चुकी है और केवल ४.२२ लाख रु० का सन्तुलन भारत सरकार को देना शेष है।

उन्नति फंड के १० प्रति अंश के प्रति ८.१३ लाख रुपए की सिकिउरटियां और डाक अमानतों के प्रति ३ लाख रुपयों की सिकिउरटियां जो केन्द्रीय सरकार को देय निश्चित हुई हैं। इनके अतिरिक्त डाक अमानतों के प्रति व्यापारिक कार्यों में २ लाख रु० के भाग और उन्नति फंड के १० प्रतिशत भाग के प्रति १.३० लाख रुपए के भाग भी निश्चित किए गए हैं। व्यापारिक कार्यों के भागों में से डाक अमानतों के प्रति २ लाख रुपए एम्त्रीका विमान प्रमण्डल लि० जिस का निस्तारण (दीवाला) निकल चुका है का भाग है जबकि १.३० लाख रुपए का सन्तुलन संशयात्मक विनियोग में है।

वास्तविक शोधनार्थ निम्न लिखित प्रबन्ध प्रस्तावित किया गया है।

(१) केन्द्रीय सरकार से प्रार्थना की गई है कि उन्नति फंड के अंश विषयक १.३० लाख रु० के शोधन को छोड़ दे जो कि निकृष्ट विनियोग है।

(२) पैपसू सरकार डाक अमानतों के अंश विषयक २ लाख रोक देगी।

(३) ११.१३ लाख रु० की सिकिउरटियां पैपसू रख लेगी और इस के प्रतिफल स्वरूप केन्द्रीय सरकार को रोक अदा किया जायगा।

यदि उपरोक्त प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकृत किया गया तो उनके लिए देय २.६२ लाख रु० की शुद्ध राशि वर्तमान वर्ष में स्वयमेव व्यवस्थापित की जाएगी।

२००६ वि० (१६४६—५०) के लिए वास्तविक।

२००६ वि० (१६४६—५०) के लिए बजट तथा वास्तविक की तुलना नीचे की गई हैं।

	बजट २००६ वि०	वास्तविक २००६ वि०
	लाखों रुपयों में	
साधारण आय तथा वसूलियां	५१४.८६	५६०.१८
आय पर आरोपित व्यय	५८४.४७	५२६.३८
आय में न्यूनता (—) आधिक्य (+)	—७०.०१	+३३.८०
सिविल कार्यों तथा बिजली की योजनाओं पर लगा मूल धन जो आय पर आरोपित नहीं हुआ।	२३.४२	३१.६७
सरकारी व्यापार पर लगी पूंजी	६.८४	२६.२६
अपहृत्त कर्मचारी वर्ग को शोधन	१.००	

सञ्चित सन्तुलन में से साधारण रक्षित
निधि का संक्रामण (तबादला) २५०.००

सं० २००६ वि० के लिए अन्तिम रोकड़ सन्तुलन ४००.६१ लाख प्रदर्शित किया गया था। सं० २००६ के लिए आरम्भिक रोकड़ सन्तुलन कम्पट्रोलर पैपसू द्वारा केवल २६६.०३ लाख रु० लगाया गया था, १०१.५८ रु० के अन्तर की व्याख्या कम्पट्रोलर द्वारा निम्न लिखित है।

निम्नोक्त धनागारों में सन्तुलन १७,६१,३३२ रु० २ आने ८ पाई की रकम चैत्र २००५ के लेखों में अन्य प्राप्तियों सहित प्राप्ति की ओर ली गई थी यह ठीक न थी क्योंकि ये सन्तुलन ५-५-२००५।-२०-८-१९४८ के आरम्भण शेषान्तर्गत पहिले ही गिने गए थे।

	रु० आ० पा०
(१) नालागढ़ तथा कलसिया के सन्तुलन जिन में बैंकों के सन्तुलन भी सम्मिलित हैं।	१०,०६,८६६— ०—६
दादरी उप-धनागार	३०,२७५—१२—५
इन्नर धनागार संगरूर	५,०६,३८४—१४—
बावल उप-धनागार	२,१७,८०५—८—६
योग	१७,६१,३३२— २—८

(२) ५-५-२००५ से चैत्र २००५ की समाप्ति तक अर्थात् वर्ष के अनियतकाल का बैंकों तथा भिन्न भिन्न धनागारों के आय तथा व्यय, इस के अन्तर्गत चैत्र २००५ को नहीं गिना गया।	३,६७,६५१—१३—१

(३) वास्तविक सन्तुलन में से गृहीत तथा लेखा सन्तुलन जो समाहित नहीं इनके अन्तर्गत कपूरथला धनागार में अन्तर	४,०६,४०५—३—४
(४) बैंक की सन्तुलन राशि जो वैशाख २००६ के आरम्भण शेष में सम्मिलित नहीं की गई।	७६,१६,८३२—५—२
महायोग	१,०१,५८,२२१—८—३

मद नं० ४ के लिए कोई निर्णय आवश्यक नहीं है। क्योंकि रकम वैशाख के अनुवर्ती मासों में और सं० २००६ के लेखों में गिनी जा चुकी है। नं० १, २ तथा ३ के सम्बन्ध में निर्णय अभी होगा। जब मद नं० ३ के सम्बन्ध में एकता का परिणाम ज्ञात हो जाए इसे प्रस्तुत किया जाए।

प्राप्तियों में ऐक्साईज़ अधीन २.'३६, रेलवे अधीन २८.३४ आय तथा कराधीन ६.६४, व्याज अधीन ४.६६ तथा प्रकीर्ण अधीन २१.२६ की वृद्धि थी। यह वृद्धि भू-आगम अधीन ८.०३ सिंचाई अधीन ७.६८ अन्य टैक्स तथा बलि-अधीन ४.६६ कार्पोरेशन टैक्स ४.७७ मुद्रांक अधीन २.८३ डाक तथा टैलीफोन अधीन २.७१ तथा बिजली अधीन ६.०३ की न्यूनता द्वारा अंशतः कम किए गए थे। व्यय में मुख्य न्यूनताएं विद्या अधीन १३.११ पुलिस अधीन ७.१६ ऐक्साईज़ अधीन ११.५२ रक्षा अधीन ८.४४ भू-आगम अधीन ३.१६ सामान्य प्रशासन अधीन ६.२० हैं। प्रादेशिक तथा राजनैतिक अधीन ६.६१ प्रकीर्ण विभाग अधीन २.१४ प्रकीर्णाधीन ३.१८ के व्यय की वृद्धि मात्रा तक निश्चित की गई।

संघ के व्यापार पर लगी पूंजी अधीन ६.८४ लाख रु० की उपबन्ध की संतुलन में वास्तविक अंकड़े २६.२६ थे, न्यून कृत कर्मचारि वर्ग को देय १ लाख रुपए की उपबंध का प्रयोग नहीं किया गया।

ऋण तथा अमानती व्यवहारों के वास्तविक परिणाम की संगणना के कारण सन्तुलन २००६ वि० की समाप्ति पर ४१६.६१ लाख रु० था।

बजट तथा संशोधित अनुमान

१६५०—५१

६. निम्न लिखित तालिका बजट तथा संशोधित अनुमान की तुलना करती है।

	बजट १६५०—५१	संशोधित १६५०—५१
	लाखों रुपयों में	
आय तथा प्राप्तियां	४५६.६२	५११.१२
आय पर आरोपित व्यय	४५४.१२	४५१.४६
अधिक आय (+)	२.५०	५६.६६

आय के पक्ष में मुख्य वृद्धि कच्चे तम्बाकू तथा कर अधीन ६.५० विक्रयटैकस अधीन ५.०० शर्करा कर अधीन ४.६६ दियासलाई कर अधीन ४.२२ है। रेलवे अधीन २१.१३ के अनुमान के समक्ष वास्तविक प्राप्तियां ३०.६२ बनगई, मदिरा तथा अफीम की दुकानों की नीलामी में से अधिक प्राप्ति के कारण यूनियन ऐक्साईज टैक्स अधीन ५.०० की वृद्धि हुई। अन्य वृद्धियां जिन की प्रत्याशा है वे यह हैं। रजिस्ट्रेशन अधीन १.००, मोटर गाड़ी ऐक्ट अधीन १.०० सहायता तथा प्रतिष्ठापन व्यय पर केन्द्रीय सरकार की ओर से १५.०० प्राप्त होने के कारण प्रकीर्ण अधीन २२.८४ तथा वे राशियां जो फरीदकोट नरेश द्वारा प्राप्त उन की ओर से देय हैं ६.१५। इन वृद्धियों को निम्न लिखित न्यूनताओं द्वारा निश्चित किया गया है। आय कर अधीन

(३) वास्तविक सन्तुलन में से गृहीत तथा लेखा सन्तुलन जो समाहित नहीं इनके अन्तर्गत कपूरथला धनागार में अन्तर	४,०६,४०५—३—४
(४) बैंक की सन्तुलन राशि जो वैशाख २००६ के आरम्भण शेष में सम्मिलित नहीं की गई।	७६,१६,८३२—५—२
महायोग	१,०१,५८,२२१—८—३

मद नं० ४ के लिए कोई निर्णय आवश्यक नहीं है। क्योंकि रकम वैशाख के अनुवर्ती मासों में और सं० २००६ के लेखों में गिनी जा चुकी है। नं० १, २ तथा ३ के सम्बन्ध में निर्णय अभी होगा। जब मद नं० ३ के सम्बन्ध में एकता का परिणाम ज्ञात हो जाए इसे प्रस्तुत किया जाए।

प्राप्तियों में ऐक्साईज़ अधीन २.'३६, रेलवे अधीन २८.३४ आय तथा कराधीन ६.६४, ब्याज अधीन ४.६६ तथा प्रकीर्ण अधीन २१.२६ की वृद्धि थी। यह वृद्धि भू-आगम अधीन ८.०३ सिंचाई अधीन ७.६८ अन्य टैक्स तथा बलि-अधीन ४.६६ कार्पोरेशन टैक्स ४.७७ मुद्रांक अधीन २.८३ डाक तथा टैलीफोन अधीन २.७१ तथा बिजली अधीन ६.०३ की न्यूनता द्वारा अंशतः कम किए गए थे। व्यय में मुख्य न्यूनताएं विद्या अधीन १३.११ पुलिस अधीन ७.१६ ऐक्साईज़ अधीन ११.५२ रक्षा अधीन ८.४४ भू-आगम अधीन ३.१६ सामान्य प्रशासन अधीन ६.२० हैं। प्रादेशिक तथा राजनैतिक अधीन ६.६१ प्रकीर्ण विभाग अधीन २.१४ प्रकीर्णाधीन ३.१८ के व्यय की वृद्धि मात्रा तक निश्चित की गई।

संघ के व्यापार पर लगी पूंजी अधीन ६.८४ लाख रु० की उपबन्ध की संतुलन में वास्तविक अंकड़े २६.२६ थे, न्यून कृत कर्मचारि वर्ग को देय १ लाख रुपए की उपबंध का प्रयोग नहीं किया गया।

ऋण तथा अमानती व्यवहारों के वास्तविक परिणाम की संगणना के कारण सन्तुलन २००६ वि० की समाप्ति पर ४१६.६१ लाख रु० था।

बजट तथा संशोधित अनुमान
१६५०—५१

६. निम्न लिखित तालिका बजट तथा संशोधित अनुमान की तुलना करती है।

	बजट १६५०—५१	संशोधित १६५०—५१
	लाखों रुपयों में	
आय तथा प्राप्तियां	४५६.६२	५११.१२
आय पर आरोपित व्यय	४५४.१२	४५१.४६
अधिक आय (+)	२.५०	५६.६६

आय के पक्ष में मुख्य वृद्धि कच्चे तम्बाकू तथा कर अधीन ६.५० विक्रयटैकस अधीन ५.०० शर्करा कर अधीन ४.६६ दियासलाई कर अधीन ४.२२ है। रेलवे अधीन २१.१३ के अनुमान के समक्ष वास्तविक प्राप्तियां ३०.६२ बनगई, मदिरा तथा अफ़ीम की दुकानों की नीलामी में से अधिक प्राप्ति के कारण यूनियन ऐक्साईज़ टैक्स अधीन ५.०० की वृद्धि हुई। अन्य वृद्धियां जिन की प्रत्याशा है वे यह हैं। रजिस्ट्रेशन अधीन १.००, मोटर गाड़ी ऐक्ट अधीन १.०० सहायता तथा प्रतिष्ठापन व्यय पर केन्द्रीय सरकार की ओर से १५.०० प्राप्त होने के कारण प्रकीर्ण अधीन २२.८४ तथा वे राशियां जो फरीदकोट नरेश द्वारा प्राप्त उन की ओर से देय हैं ६.१५। इन वृद्धियों को निम्न लिखित न्यूनताओं द्वारा निश्चित किया गया है। आय कर अधीन

८.०० बिजली अधीन २.५० लेखन सामग्री तथा प्रकाशन अधीन १.०० ।

व्यय पक्ष में निम्न लिखित न्यूनताओं की प्रत्याशा की जाती है । यूनियन ऐक्साईज अधीन ३.१८, व्याज अधीन १.२५, विधान सभा अधीन १.३५ (जो अभी तक स्थापित नहीं की गई) तथा पुलिस अधीन २.०७ प्रशिक्षित वर्ग की अप्राप्यावस्था में अध्यापकों के बहुत से स्थान पूर्ण नहीं किए गये और इसके कारण ४.६६ लाख रु० की न्यूनता की प्रत्याशा है ।

अन्य न्यूनताएं – आयुर्वैदिक अधीन २.००, कृषि अधीन १.०८ अधिवार्षिकी तथा उत्तर वेतन अधीन २.१७ ।

ये न्यूनताएं अधिक व्यय के विस्तार से पूरी की गईं जैसे, निर्वाचक नामावलि के प्रकाशन सम्बन्धी २.६०, गृहविभाग अधीन .५० सिवल कार्य, विशेष कर पटियाला दुर्ग की भित्ति तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए आठ नवीन गृह निर्माणार्थ ४·६६ फरीद कोट नरेश के निजी व्यय के सन्तुलन की प्रदेयता के कारण ५.०७ प्रकीर्ण अधीन २.०० साथ में ही भूमि अवाप्ति की हानि पूर्ति के शोधनार्थ .५६ तथा आसाम भूकम्प पीड़ितों को २००० मन चावलों के अबाध दानार्थ .४०

१६५१–५२ के बजट की अनुमानित व्याख्या निम्नलिखित कण्डिका में अंकित है ।

आय तथा प्राप्ति ।

(७) **आय पर कर**:–संविधान के अनुच्छेद २७० अधीन संघ के परिलाभ और टैक्स को छोड़ कर संघ में संगृहीत आय पर टैक्सों

का भाग यूनीयन के लिए देय है। प्रचलित वर्ष के लिए इस सरकार के भाग का अनुमान केवल १६ लाख रुपए है। आगामी वर्ष के लिए केन्द्रीय सरकार ने अनुमान लगाया है कि .२२ लाख रु० का भाग वर्तमान सरकार के लिए देय होगा।

(८) **भू-आगम :**—प्रचलित वर्ष के लिए ६६.३६ रु० का अभियाचन था और इस में गत वर्षों के सन्तुलन की प्राप्ति सम्मिलित कर सकल प्राप्ति का अनुमान १०१.०६ लाख रु० लगाया गया था। भू-आगम तथा जागीरों के प्रत्यर्पण का अनुमान १.३० लाख रु० लगाया गया था। जबकि पैपसू तथा पञ्जाब के मध्य में घिरे स्थानों के परिवर्तन कारण वास्तविक हानि का अनुमान २ लाख रु० लगाया गया था इस लिए भू-आगम का वास्तविक अनुमान ६७.७६ लाख रु० था। १६५१-५२ के लिए अनुमानित अभियाचन ६६.६२ लाख रु० है तथा २८.५४ लाख रु० का सन्तुलन सम्मिलित कर समस्ताभियाचन १२५.४६ लाख रु० है। अनुमानित प्राप्तियों २४.११ लाख रु० के अवशिष्टातिरिक्त १०१.३५ लाख रु० है। भू-आगम तथा जागीरों का प्रत्यर्पण अनुमान वास्तविक अनुमानित प्राप्तियों के एक करोड़ रु० को छोड़कर १.३५ लाख रु० लगाया गया है।

(६) **यूनीयन ऐक्साईज़ :**—

इस मद अधीन प्राप्तियां निम्न लिखित साधनों से उत्पन्न हो सकती हैं।

(१) शराब की थोक तथा प्रकीर्ण विक्री के लिए अनुज्ञा शुल्क

(२) शराब के निर्माणार्थ कर।

(३) अफ़ीम की थोक तथा प्रकीर्ण विक्री के लिए अनुज्ञा पत्र।

(४) अफ़ीम की विक्री की राशियां।

(५) भट्टियों से प्राप्तियां।

(६) अन्य लघु प्राप्तियां।

शराब की विक्री का अनुज्ञा शुल्क तथा शराब निकालने के कर का स्थानीय कर में परिवर्तन नहीं किया गया।

केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रदायित अफ़ीम के कोटे में १० प्रतिशत काट कर अफ़ीम की विक्री अधीन ३.६० लाख रु० कम लिए गए हैं। अफ़ीम की विक्री के लिए अनुज्ञा शुल्क अधीन प्राप्तियों की भी न्यून होने की आशा है। ज़िला कपूरथला में पोस्त की कृषि पुनः आरम्भ की गई और एकड़ेजकर ३६ रु० प्रति एकड़ कृषि पर लगाया जाएगा। इस से पूर्व एकड़ेज कर नहीं था। ६,००० रुपए की रकम इसके अतिरिक्त प्राप्त किए जाने की आशा है। इस मद अधीन प्रचलित वर्ष में कुलयोग १६०.०२ लाख रु० के प्रति १४७.६८ लाख रु० लिया गया है।

(१०) स्टैम्पस :—

चालू वर्ष के १२.८ लाख रु० के अनुमान के प्रति आगामी वर्ष के लिए प्राप्तियों का अनुमान २० लाख रुपए लगाया गया है। यह वृद्धि वास्तविक (अंकड़ों) द्वारा अंशतः प्रदर्शित वृहद्धिक्रय के कारण है और कुछ स्टैम्प कर का स्थानीय कर में संशोधन होने के कारण जिसकी इस वर्ष के आरम्भ होने से पूर्व ही प्रचलित होने की आशा है।

(११) वन :—

बन विभाग की वसूलीयां चालू वर्ष के ५.७१ लाख रुपए के

मुकाबिले में ४.६० लाख रु० रक्खी गई हैं। ये न्यूनताएं घिरे स्थानों के परिवर्तन में हिमाचल प्रदेश तथा पञ्जाब को बन का बड़ा भारी क्षेत्र चले जाने के कारण हैं। परिवर्तन क्षेत्रफल बन के १,०६,१६० एकड़ के कुल क्षेत्र अर्थात् कुल क्षेत्र फल के पांचवें भाग में से लगभग २०,००० एकड़ है। इस यूनीयन को अर्पित बन का क्षेत्रफल नगण्य है।

(१२) पंजीयनः— (रजिस्ट्रेशन)

चालु वर्ष के १.३२ लाख रु० के मुकाबिले में आगामी वर्ष के लिए वसूलियों का अनुमान २.५ लाख रु० का लगाया गया है। यह वृद्धि भाव में संशोधन होने के कारण है जो आगामी आर्थिक वर्ष से स्थापित किया जाएगा।

(१३) अन्य टैक्स तथा कर:—

इस मद अधीन वसूलियों में निम्न लिखित सम्मिलित हैं।

(१) मोटर स्पिरिट की विक्री पर टैक्स।

(२) आमोद कर।

(३) तम्बाकू विक्रय शुल्क।

(४) विक्रय कर।

मोटर स्पिरिट विशेष के विक्रय पर कर परिवर्तित नहीं किया गया। १९५१—५२ के लिए वसूलियां २ लाख रुपए की हैं जो कि चालू वर्ष के अनुमान की अपेक्षा .४८ लाख रु० अधिक हैं। यह वृद्धि पैट्रोल का राशन टूटने के कारण पैट्रोल का अधिक विक्रय होने से है।

आमोद कर की दर जुलाई १९५० से बढ़ाई गई थी और इसे संलेखित चालू वर्ष के १ लाख के मुकाबिले में आगामी वर्ष के बजट में २.५ लाख रु० का प्रावधान किया गया।

अनिर्मित तम्बाकू तथा ऐक्साईज़ कर केन्द्रीय सरकार की आय की मद है परन्तु निर्मित तम्बाकू विक्रय कर यूनियन की आय है।

१० लाख के प्रावधान के मुकाबिले में चालू वर्ष के लिए ठेका १६.५६ लाख रु० के लिए नीलाम किया गया है। और १३.५ लाख रु० का संग्रहण होने की आशा है। आगामी वर्ष के लिए चालू वर्ष का १० लाख का प्रावधान पुनरावृत किया गया है।

विक्रय कर अधीन प्राप्तियों का अनुमान चालू वर्ष की भान्ति २५.१५ लाख रु० लगाया गया है। चालू वर्ष के लिए वास्तविक आशा इस अनुमान से ५ लाख रु० अधिक होने की है। निश्चित पदार्थों की विक्रय कर के मुक्त करने की शक्यता को सारतः मुख्य रखते हुए चालू वर्ष का २५.१५ लाख रु० का प्रावधान आगामी वर्ष के लिए फिर रक्खा गया है।

(१४) सिंचाई।—

चालू वर्ष के ५४.७३ लाख रुपए के मुकाबिले में १९५१-५२ के लिए सिंचाई अधीन कुल वसूली ५३ लाख रु० रक्खी गई है। चालू वर्ष के लिए कार्य सम्बन्धी व्यय २५.६४ लाख रु० से २७.९४ लाख रु० बढ़ गए हैं। कार्य सम्बन्धी व्ययों में वृद्धि अधिक होने के कारण पुनर्निर्मापित डिवीज़नों के लिए २.०१ लाख रु० प्रावधान के कारण हैं। कार्य सम्बन्धी व्ययों के निरसनानन्तर वास्तविक प्राप्तियां २५.०६ लाख रु० बन जाती हैं।

नारनौल में दो नहरों के संगम निकट जल संग्रहार्थ तथा तालाबों द्वारा सिंचाई प्रदायार्थ तथा नारनौल नगर को जल प्रदायार्थ ६.३७ लाख रु० के व्यय पर एक बन्ध निर्माण का निर्णय किया गया है। यह कार्य, अन्नाधिं लाभांश में से अनुदान सहित ऋण द्वारा किया जाएगा। संघ की आय में से नहीं, इस लिए इस योजना के कारण सिंचाई में कोई वास्तविक ऋण नहीं होगा।

(१५) डैब्ट सर्विसिज़ इन्टरैस्ट :—

इस मद अधीन प्रदर्शित १८.३८ लाख रु० की रकम, संघ की सरकारी सिक्यिउरिटियां तथा संघ की ओर से दत्त ऋण तथा पेशगियों पर तथा व्यापारिक कार्यों में संघ द्वारा प्राप्त लाभांशों पर वृद्धि प्रदर्शित करती है। यह वृद्धि मुख्यतः रोकड़ सन्तुलन में से चालू वर्ष में सवा करोड़ रु० की विनियोजित स्थायी अमानतों पर वृद्धि के कारण है।

(१६) सिविल प्रबन्ध :—

चालू वर्ष के लिए २६.२६ लाख रु० के मुकाबिले में इस मद अधीन कुल वसूलियां ३०.६३ रु० के लिए रखी गई हैं। यह वृद्धि मुख्यतः पाठशालीय शुल्कों तथा पशूमेलकों से प्राप्त वृद्धि के कारण क्रमशः विद्या तथा कृषिकर्म प्रत्येक अधीन १ लाख रु० की वृद्धि के कारण है।

(१७) सिविल कार्य :—

चालू वर्ष के लिए ३.३६ लाख रु० के मुकाबिले में इस मद अधीन कुल वसूलियों का अनुमान ४.७७ लाख रु० लगाया गया है। यह वृद्धि मुख्यतः जलविक्रय अधीन प्राप्त वसूलियों के कारण है।

(१८) बिजली :—

चालू वर्ष में बिजली के अधीन वसूलियों का अनुमान १७.५० लाख रु० लगाया गया। इस अनुमान में विद्युदूर्जा के अधिक भाराथ ऋण लिया गया था, जो पञ्जाब की ओर से मंडी हाईड्रो अलैक्ट्रिक स्कीम द्वारा कपूरथला, नाभा तथा फतह गढ़ साहिब के लिए स्वीकृत की गई, नाभा, संगरूर, फरीदकोट कंडाघाट में दर वृद्धि केवल १ अगस्त १६५०

से आरम्भ की गई और इसी के कारण वास्तविक प्राप्तियों की अनुमानित अंकड़ों तक पहुँचने की आशा नहीं है।

१६५१-५२ के लिए संगरूर में वर्तमान बिजली पैदा करने वाले सैट को दो नए सैटों से परिवर्तन करने पर नाभा तथा पटियाला से बिजली प्राप्त करने से अवस्था में सुधार होने की प्रत्याशा है। आगामी वर्ष की आय का अनुमान १७ लाख रु० लगाया जाता है।

कार्य सम्बन्धी व्यय -चालू वर्ष के १६४५ लाख रु० के मुकाबिले में २१.७८ लाख रु० रक्खा गय है। यह वृद्धि विद्यु द्विभाग के अवक्षयण रक्षित फंड अर्धीन १ लाख रु० के प्रावधान कें कारण है तथा इस मद अधीन ऋण के कारण वास्तविक कार्यों के अधीन २.६८ लाख रु० की वृद्धि विद्यु त् गृह की सुरक्षा अधीन रक्षित प्रावधान में न्यूनताओं के कारण पूरा किया गया है।

यह निर्णय किया गया है कि बड़े प्राकृतिक कार्यों के लिए जिन का व्यय आय में से लिया जायगा आय प्रलेख में विद्यु द्योजना सम्बन्धी मद, ५३ पूंजी लागत पर लगाया जावे। विद्यु द्योजना के अधिक व्यय के लिए इस मद अधीन २.१७ लाख रु० की रकम प्रावहित की गई है।

(१६) प्रकीर्ण :—

इस मद अधीन वसूलियों में अयाचित अमानतें, पूर्वतन भण्डार तथा सामग्री विक्रय, बैंक आफ़ पटियाला के समधिक लाभ के भाग, जुबली सिनेमा फ़रीदकोट के पट्टे की रकम आदि सम्मिलित हैं। चालूवर्ष के ७.६६ लाख रु० के मुकाबिले में आगामी वर्ष की कुल वसूलियों के लिए १६.३० लाख रु० रक्खे गए हैं। यह वृद्धि अधिकांशतः १२ लाख रु० की रकम के कारण है। जिसकी केन्द्रीय सरकार की ओर

से विस्थित व्यक्तियों के सहाय्यार्थ तथा प्रतिस्थापन पर व्यय प्रतिशोधन की प्रत्याशा है।

(२०) व्यय

१९५१–५२ के लिए व्यय के प्रावधान का विवरण अभियाचन पुस्तक में अंकित किया गया है।

१९५१–५२ के लिए निम्नलिखित अभियाचन नूतन सम्मिलित किए गए हैं।

१. विद्युद्योजना कार्य सम्बन्धी व्यय,
२. आय प्रलेख में विद्युद्योजना पर लगी पूंजी,
३. विद्युद्योजना पर लगी पूंजी,

संविधान की धारा २६७ (ii) अधीन संघ की विधान सभा विधान द्वारा अप्रदाय (पेशगी) रूप में सम्भाव्यता फंड बना सकेगी, और वह फंड यूनीयन के गवर्नर या राजप्रमुख की मन्त्रणा से दिया जायगा। जिस से कि उस से यूनीयन की विधान सभा के व्यय की साक्षी का नम्बर, अनभिज्ञ व्ययों के सञ्चालन के उद्देश्यार्थ इस में से अग्रिम दिए जा सके। इस यूनीयन के लिए सम्भाव्यता फंड का उद्घाटन, यूनीयन की विधान सभा की स्थापना के निलम्बित पर्यन्त स्थगित किया गया है।

कुछ आवश्यक मदों के अधीन रचित प्रावधानों की निम्न व्याख्या की जाती है।

(२१) भू–आगम :—

चालू वर्ष के १७.५६ लाख रु० के मुकाबिले में इस मद अधीन १६.५३ लाख रु० का प्रावधान बनाया गया है। यह वृद्धि अधिकांशतः

नजूल भूमि के निष्क्रियण द्वारा ३०,०००।- रु० के प्रावधान के कारण तथा अन्य ३०.०००।- रु० पृथक् २ प्रपत्रों के प्रकाशनात् है। ५,०००।- रु० की रकम क्षेत्र समेकन तथा समधिक कर्मचारी वर्ग के लिए भी सम्मिलित की गई है।

(२२) यूनीयन ऐक्साईज़ कर :—

इस में ७.६४ लाख रु० की न्यूनता है। जो विशेष कर शराब की भट्टियों के अधीन थोड़ा प्रावधान होने के कारण तथा केन्द्रीय सरकार से प्राप्त की जाने वाली अफ़ीम के अभ्यंश (कोटा) में घटाव होने के कारण तथा अफ़ीम के अल्प क्रय के कारण है। चालू वर्ष के बजट में ऐक्साईज़ पुलिस के लिए प्रावधान .६८ लाख रु० अग्रिम वर्ष के बजट में छोड़ गया है। क्योंकि ऐक्साईज़ कर के लिए पृथक् पुलीस रखने की कोई इच्छा नही थी।

(२३) स्टैम्पस :—

चालू वर्ष में .१६ लाख रु० के मुकाबिले में .६५ लाख रु० की उपबन्ध रक्खी गई है। यह वृद्धि स्टैम्प विक्रेताओं के कमीशन के लिए (जिस के लिए चालू वर्ष में कोई उपबन्ध नहीं की गई) स्टैम्पों का निरीक्षण करने वाले कर्मचारी वर्ग के लिए ५,८००।- रुपए के प्रावधान २७—न्याय प्रबन्ध में से इस मद में परिवर्तन होने के कारण ३०,०००/- रु० के प्रावधान से है।

(२४) वन :—

इस मद अधीन लगभग एक लाख रु० की वृद्धि है। जो अधिकांशतः उन्मृदा संरक्षणार्थ .५० लाख तथा क्रीड़ा संरक्षणार्थ .४८ लाख रु० के प्रावधान के कारण है। पूर्वोक्त नई मद हैं। पुनरुक्त के लिए प्रावधान चालू वर्ष में ४७—प्रकीर्ण विभागाधीन बनाया गया था।

(२५) अन्य टैक्स तथा कर्तृप्ति :-

इस मद अधीन १.२० लाख रु० की वृद्धि विक्रय कर विभाग के पुनः संघठित होने के कारण है।

(२६) डैब्ट सर्विसिज़-इन्ट्रैस्ट :—

चालू वर्ष की १.४० लाख रु० के प्रावधान में १.२५ लाख रु० की रकम, केन्द्रीय सरकार से लिए ऋणोपरि लगित व्याज प्रदेय नहीं। इसी लिए १.४४ लाख रु० का प्रावधान अग्रिम वर्ष के बजट में सम्मिलित किया गया है।

(२७) सामान्य प्रबन्ध :—

इस मद आधीन ४.३६ लाख रु० की वृद्धि है जो इस प्रकार है।

(क) गृह विभाग :— रु० २.०८ लाख

यह वृद्धि चालू वर्ष में स्वीकृत समधिक कर्मचारीवर्ग के लिए तथा पी.यू. ए. ऐस, अफ़सरों की पञ्जाब में प्रशिक्षण के कारण है।

(ख) ज़िला प्रबन्ध :— रु० .९६ लाख

यह वृद्धि डिप्टी कमिश्नरों के लिए जीपकारों के संधारणार्थ रक्षित प्रावधान के कारण है।

(ग) उद्योग विभाग, सिविल सपलाई बिभाग, तथा प्रतिष्ठापन विभाग। रु० .६० लाख

यह वृद्धि अधिकांशतः डाइरैक्टरोरेट, सिविल सपलाईज़ के लिए रक्षित समधिक कर्मचारीवर्ग के कारण है।

(घ) अन्य विभाग अधीन अन्य लघु वृद्धियां हैं।

विधान सभा के लिए चालू वर्ष में रचित १.३५ लाख रु० का प्रावधान अग्रिम वर्ष के बजट में पुनः संस्थापित किया गया है।

(२८) पुलीस :—

चालू वर्ष में नगर सैनिकों के अतिरिक्त पुलीस पर कुल व्यय ६७.८७ लाख रु० के मुकाबिले में अग्रिम वर्ष के लिए ७८.०२ लाख रु० रक्खा गया है। चालूवर्ष में नगरसैनिकों के लिए ७.२० लाख रु० की रकम दी गई जिस के मुकाबिले में अग्रिम वर्ष के बजट में केवल ४ लाख रु० दिए गए हैं।

पुलीस अधीन १०.१५ लाख रु० की वृद्धि अधिकाशतः निम्न लिखित विवरणानुसार है।

(क) सी. आई. डी. के संनिरीक्षण तथा ग्रामों के लाखों रुपयों में थानों के लिए समधिक पुलीस कर्मचारीवर्ग	४
(ख) त्रिपुरी तथा राजपुरे की नवीन बस्तियों के लिए गारदें	.४
(ग) सकेल में संशोधन होने के कारण घोड़ा भत्ते के लिए समधिक प्रावधान	२.००
(घ) आयुध तथा स्फोट वर्ग	१.७५
(ङ) कंटिनजैंसियों में से परिदत्त कर्मचारिवर्ग अधीन वृद्धि	१.००

जिस के लिए गत वर्ष विवरण अप्राप्त था।

(२६) विद्या:—

१९५१—५२ के लिए विद्या अधीन कुल अनुमानित व्यय चालू वर्ष के ६६.६६ लाख रु० के मुकाबिले में ६७.३१ लाख रु० बन जाता है। यह अन्तर मुख्यतः आर्टस कालिजों तथा द्वितीयक पाठशालाओं में समधिक कर्मचारी वर्ग के लिए लगभग ३ लाख रु० के प्रावधान के कारण, तथा इन्क्रीमैण्ट, महार्ध्य भत्ते के कारण, वृत्ति में वृद्धि तथा कालिजों और माध्यमिक विद्या के स्कूलों के लिए अन्य व्ययातिरिक्त लगभग २ लाख रु० के प्रावधान के कारण, तथा विक्टोरिया गर्लज इन्टरमीडिएट कालेज पटियाला के स्थिति सुधारार्थ, महेन्द्र कालेज पटियाला में बी. ऐस. सी. का श्रेणी समुद्घाटन और बिरला ट्रस्ट के १८ स्कूलों के ग्रहण .७५ लाख रु. की वृद्धि के कारण है। वृद्धि का कुल अंश पहले साल के अतिरिक्त अन्य १२ दिनों की वृत्ति के प्रावधान होने के कारण है। यह वृद्धि यूनिवर्स्टी फंड को चन्दा देने के लिए कोई प्रावधान न होने के कारण पूरी की गई है। जिस के लिए चालू वर्ष में ५ लाख रुपया सज्ज था।

चालू वर्ष में प्रावहित १ लाख रु० की रकम अग्रिम वर्ष के लिए छात्रवृद्धि अधीन पुनः स्थापित की गई है।

विद्या अधीन कुछ नूतन योजनाओं के लिए ५ लाख रु० की रकम उन्नति फंड में से प्रावहित की गई है।

(३०) भैषजिक (मैडिकल) :—

चालू वर्ष के ४१.३४ लाख रु० के मुकाबिले में अग्रिम वर्ष के लिए २७.४७ लाख रु० प्रावधान है। चालू वर्ष के प्रावधान में हस्पताल फंड का १५ लाख रु० का चन्दा सम्मिलित है। और इस के अतिरिक्त चालू वर्ष की तथा अग्रिम वर्ष के प्रावधान में केवल १.१२ लाख रु० का है। जो १२ दिन की अधिक वृद्धि के कारण है। उन्नति फंड में

से ४.३८ लाख रु० इस विभाग से सम्बन्धित पृथक् पृथक् नई योजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं।

(३१) कृषि :—

चालू वर्ष के प्रावधान के साथ तुलना करते हुए १.४४ लाख रुपए की अवशिष्टता अधिकांशतः औद्यानिक विभाग के कर्मचारी वर्ग में घटाव होने के कारण है।

कृषि की पृथक् २ नवीन योजनाओं के लिए उन्नति फंड में से ५ लाख रु० की रकम प्रावहित की गई है।

(३२) उत्पादन वर्धी कृषि योजनाएं :—

चालू वर्ष में उत्पादन वर्धी कृषि योजना सम्बन्धी ४० लाख का तथा कृषि-उपकरण क्रयार्थ ऋणानुदान हित २६ लाख रु० का प्रावधान बनाया गया है। चालू वर्ष में २६.५४ लाख रु० का व्यय किए जाने की आशा है। और १६.१० लाख रु० के वितत्यन्त ऋण प्रदान की आशा की जाती है। अग्रिम वर्ष के लिए उत्पादन वर्धी कृषि योजना के कारण ३५.६२ लाख रु० का प्रावधान किया गया है। और २०.४० लाख रुपया कृषि-उपकरण के ऋणार्थ प्रावहित किया गया है।

अग्रिम वर्ष के लिए समधिक अन्नोत्पादन का लक्ष्य ५३,२५० टन है। उत्पादनवर्धी कृषि योजनाओं पर व्यय निम्न लिखित आधार से लगाया गया है।

१. अन्न प्राप्ति।

२. निष्क्रामण।

३. केन्द्रीय प्राप्त अधिलाभांश।

डाईरैक्टर सिविल सपलाई विभागानुसार पैपसू सरकार से अब तक अर्जित कुल अधिलाभांश १.३१ करोड़ रु० है जिन में ५१ लाख रु० पहिले प्राप्त किए जा चुके हैं। चालू वर्ष की समाप्ति से पूर्व ही २६ लाख रु० अन्यप्राप्ति की आशा की जाती है। ५१ लाख रु० के सन्तुलन के १६५१-५२ में प्राप्त करने की आशा की जाती है।

(३३) प्रकीर्ण विभाग :—

इस मद अधीन बजट में १.८७ लाख रु० का घटाव है जो अधिकांश पृथक् पृथक् विभागों के लिए उपस्करार्थ एक लाख रु० का प्रावधान न होने के कारण और अतिथि परिचर्या तथा कर्मचारी वर्ग में घटाव के लिए .५५ लाख रु० का प्रावधान कम होने के कारण है। उपर्युक्त न्यूनताएं पञ्जाबी विभाग अधीन कोश प्रकाशनार्थ रक्षित समधिक प्रावधान में से पूरे किए गए।

(३४) अराजकीय कार्य :—

बिजली के अतिरिक्त अराजकीय कार्य अधीन चालू वर्ष के ४३.०२ लाख रु० के मुकाबिले में अग्रिम वर्ष के बजट में ४६.१० लाख रु० प्रावहित किए गए हैं। यह वृद्धि अधिकांशतः अग्रिम वर्ष में अफसरों के लिए छे बंगले, क्लर्कों के लिए ४६ क्वार्टर और चपड़ासीयों के लिए ५० क्वार्टर निर्माण हित ४.४० लाख रु० का समधिक प्रावधान होने के कारण है। इस बजट में सम्मिलित अन्य आवश्यक प्रावधान ये हैं।

कारखाने के छप्पर एक गोदाम और केन्द्रीय जेल तथा पटियाले के मण्डल की दीवार के लिए	३.५६
थाने बनाने के लिए	.६५

दादरी, फूल और जैतो में स्त्रियों के तीन हस्पताल और एक नालागढ़ में बनाने के लिए १.८, सड़कों को ठीक करने के लिए ३.४१। पैपसू निर्माण पर ७२५.८४ मीलों के मुकाबिले में अब ७६७.३४ मील है। सड़कों के लिए ३.४१ रु० के उपर्युक्त प्रावधान के अतिरिक्त, नई सड़कों के लिए उन्नति फंड में से २७.१६ लाख रु० की रकम का प्रावधान प्रावहित किया गया है। जिस का विवरण अभियाचन पुस्तक में मिलता है। विद्युद्विभाग के लिए अराजकीय कार्यों पर व्यय इस मद में से विद्युदधीन कार्य सम्बंधी मद ४१ में परिवर्तित किये गए हैं। इस के अतिरिक्त आय प्रलेख नई मद अग्रिम वर्ष के लिए खोली गई है। शैलीयुत ५३' विद्युद्योजना पर पूंजी उद्व्यय तथा इस सम्बन्धी व्यय जो मद ८१ अधीन विद्युद्योजना पर पूंजी उद्व्यय इसी मद में परिवर्तित किया गया। इस मद अधीन अग्रिम वर्ष के लिए प्रावधान केवल २.१७ लाख रु० है।

(३५) प्रादेशिक तथा राजनैतिक-उत्तरवेतन :—

इस मद अधीन ३.३२ रु० की वृद्धि सम्मिलित राज्यों के निजी व्यय प्रदानार्थ चालू वर्ष के प्रावधान में १० प्रतिशत घटाव निरूपण करती है जो संधानीय आर्थिक संघठन के संधिपत्र के अनुसार केन्द्रीय सरकार से ले ली जायगी।

(३६) अधिवार्षिकी भत्ता तथा उत्तरवेतन :—

इस मद अधीन २.१७ लाख रु० की न्यूनता वास्तविक पर निर्भर है।

(३७) प्रकीर्ण —

अग्रिम वर्ष के लिए इस मद अधीन कुल प्रावधान चालू वर्ष के १५.१४ लाख रु० के मुकाबिले में ८.२४ लाख रु० है। यह अन्तर अधिकांशतः ग्राम प्रतिष्ठापन डाइरैक्टर के कर्मचारी वर्ग में घटाव

होने के कारण ३.३३ लाख रु० की न्यूनता से निवास रहित विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति अधीन जो भारत सरकार से ग्राह्य हैं .५० लाख क प्रावधान होने के कारण है।

अग्रिम वर्ष में नेरन्द्रा गारदों के लिए कोई प्रावधान नहीं बनाया गया, जिस के लिए चालू वर्ष के बजट में ३ लाख रु० की रकम प्रावहित की गई है।

अग्रिम वर्ष के बजट में, विस्थापित प्राणियों के पुनर्वास के लिए सेवायुक्त कर्मचारी वर्ग सम्बन्धी निम्न लिखित प्रावधान बनाया गया है।

		लाखों रुपयों में।
१.	नागरीय प्रतिष्ठापक डाइरैक्टर	१.४१
२.	ग्रामीय प्रतिष्ठापक डाइरैक्टर	२.५२
३.	संपालक प्रवासी मुस्लिम सम्पत्ति	२.१२
४.	न्यायिक प्रतिसंपालक	.४१
५.	अनाथाश्रम संगरूर	१.२८
६.	सहाय्य शिविर संगरूर	.६०
७.	विस्थापित विद्यार्थियों को अर्थ सहायता	७.००
८.	अपहृत अबलाओं के प्राप्त्यर्थ कर्मचारी वर्ग	.४५
	योग	१५.७६

मद नं० ३ तथा ४ का व्यय १.५ लाख रु० के विस्तार में प्रवासी मुस्लिम सम्पत्ति फंड में से शेष केन्द्रीय सरकार से ग्रहणीय है। मद नं० ५, ६ तथा ७ केन्द्रीय सरकार से प्राप्तव्य हैं।

ऋण तथा अग्रिम अधीन विस्थित प्राणियों को उधार देने के लिए अग्रिम वर्ष के बजट में १ करोड़ रु० का प्रावधान बनाया गया है। इसके अतिरिक्त कारखाने वालों के पुनर्निवासार्थ उधार देने के लिए ६.२४ रु० तथा २५,००० विस्थित विद्यार्थियों के लिये प्रावहित किये गए हैं।

विस्थित प्राणियों की सहायता पर यूनीयन की ओर से लगभग ३२ लाख रु० व्यय किए गए हैं। यह व्यय, केन्द्रीय सरकार की ओर से प्रतिशोधनीय है। और इसकी उनकी ओर से अंकेक्षा की जायगी। २४-१-१९४७ से ३१-१-१९४९ के अन्तर्गत संगरूर शिबिर में २.२१ लाख रु० का हुआ व्यय पहिले ही प्रतिशोधित किया गया है तथा केन्द्रीय सरकार ने इस के अतिरिक्त १५ लाख रुपया अग्रिम के रूप में दे दिया है।

(३८) उन्नति तथा अन्य फंड :—

जनता के सीधे उपकारों के साधन जैसा कि नई सड़कें बनाने के लिए, कृषि, विद्या, तथा डाक्टरी सम्बन्धी योजनाओं के लिए, चालू वर्ष के व्यय के लिए उन्नति फंड में से ४६,४०,००० रु० की रकम निश्चित की गई है। ४६.४० लाख रु० का विभाजन निम्न लिखित विवरण के अनुसार है।

		लाखों रुपयों में
१.	विद्या सम्बन्धी योजना	६.००
२.	डाक्टरी सम्बन्धी योजना	२.५०
३.	कृषि सम्बन्धी योजना	५.९८
४.	पशु सम्बन्धी योजना	.५२
५.	आर्थिक परिपृच्छा तथा अंकड़े संबन्धी कार्यालय	.९०
६.	नई सड़कें	२२.००
७.	स्थानीय स्वशासन सम्बन्धी योजना	६.५०
८.	उद्योग।	२.००
	योग	४६.४०

उपरोक्त विभाजन में से केवल ३०.४९ लाख रु० का व्यय चालू वर्ष में किए जाने की आशा है।

ग्राम सुधार के लिए नूतन योजनाएं जिन के लिए ग्राम सुधार

फंड में से ५ लाख रु० का प्रावधान बनाया गया। १९५० -५१ में कार्य्यान्वित किया गया। पश्चवर्ती श्रेणियों की उन्नति के लिए चालू वर्ष में ५ लाख रु० का प्रावधान १९५०-५१ के बजट में पूरा व्यय करने की आशा की जाती है।

पहिले आरम्भ की हुई स्कीमों की पूर्ति के लिए तथा नूतन योजनाओं के आरम्भ करने के लिए उन्नति फंड में १९५१-५२ के व्ययार्थ ५०.९५ लाख रु० की रकम का विभाजन निम्न लिखित विवरण के अनुसार है।

		लाखों रुपयों में
१.	विद्या	५.००
२.	डाक्टरी	४.३८
३.	कृषि	५.००
४.	पशुचिकित्सा	.८५
५.	उद्योग	२.००
६.	आर्थिक परिपृच्छा तथा अंकड़े सम्बन्धी कार्यालय	.५६
७.	कृषि परिश्रम परिपृच्छा के व्यय के संघ का भाग	.३०
८.	स्थानीय स्वशासन	५.७०
९.	सड़के	२७.१६
	योग	५०.९५

९.७३ लाख रु० की रकम जो १३-४-१९५० के फंड़ सन्तुलन का १० प्रतिशत है संधानीय आर्थिक संघठन के परिणामस्वरूप केन्द्रीय सरकार को दी जायगी।

१-४-१९५२ को उन्नतिफंड की स्थिति निम्नलिखित विवरणानुसार है।

		लाखों रुपयों में
१-१-२००६ वि० को सन्तुलन		१००.००
२००६ वि० का व्यय		—३.००
१३-४-१९५० को सन्तुलन		९७.००
उन्नतिफंड योजना पर १९५०-५१ में होने वाला व्यय	३५.००	
फंड में से उनके भाग अनुसार केन्द्रीय सरकार का शोधन	—९.७३	४४.७३
भूमि-कृष्यकरण योजना की समधिक आय		१.००
१-४-१९५१ को प्राप्य सन्तुलन		५३.२७
भूमि कृष्करण योजना सम्बन्धी १९५१-५२ की आय जोड़ें		२.००
१९५१-५२ के लिए आवण्टन		५०.९५
१-४-१९५२ को सन्तुलन		४.३२

१३-४ १९५० को उन्नति फंड के ९७.२९ लाख रु० के सन्तुलन में ८१.२७ लाख रु० की तथा १३.०७ लाख रु० की मात्रा में विभिन्न व्यापारिक कार्यों के विनियोग सम्मिलित हैं। ये विनियोग सम्मिलित राज्योन्नति फंड के पित्रागत भाग थे। व्यापारिक कार्यांशों में से कुछ विनियोग बाजारी भाव से थोड़े मूल्य के उत्कथन किए गए जिनका विवरण अनुबन्ध नं० १ की तालिका में निरूपण किया गया है।

ग्राम सुधार फंड में से ५ लाख रु० की रकम तथा पश्चवर्ती श्रेणी फंड में से ४ लाख रु० की रकम १९५१-५२ के व्ययार्थ नियत की गई है।

पूंजी बजट

(३६) अराजकीय कार्य :—

अराजकीय कार्यों पर पूँजी उद्व्ययार्थ प्रावधान चालू वर्ष के १५.०५ लाख रु० के मुकाबिले में ६.५० लाख रुपए है। अग्रिम वर्ष के प्रावधान में विधान सभा के भवन निर्माण के लिए ३ लाख रुपए तथा ऐम. ऐल. ए. के २० कार्टर बनाने के लिए ३.५० लाख रु० सम्मिलित हैं। इन दोनों योजनाओं पर कुल व्यय ११.५ लाख रु० होने की आशा है यतः राशि की अधिक मात्रा वश चालू आय में से लगाए जाने वाले व्यय को कतिपय वर्षीय प्रभागों में परिवर्तित निलम्बित व्यय को पूर्व दृष्टांत पूँजी में विकलन किया जाए।

अग्रिम वर्ष के लिए नई मद ८१-ए विद्युद्योजना पर व्ययित पूँजी के लिए खोली गई है और इस मद अधीन १६.२६ लाख रु० का प्रावधान बनाया गया है। यह गोबिन्द गढ़ से खन्ना बसी आदि तक तथा कपूरथला, हमीरा और सुल्तानपुर आदि के मध्य में भी ११ के. वी. लाईनें निर्माण करने के उद्देश्य के लिए है। पंजाब सरकार ने उस उद्देश्य पूर्ति के लिए मण्डी स्कीम से बिजली प्रावहित करने के लिए प्रतिज्ञा की है। इस योजना से पूँजी उद्व्यय पर ११.१६ प्रतिशत प्राप्ति की आशा की जाती है।

(४०) यूनियन की व्यापारिक योजना :—

चालू वर्ष में ४ करोड़ रुपया जो निष्काम्य का अनुमानित मूल्य था उसके मुकाबिले में अन्य प्रबन्धों से साढ़े तीन करोड़ की अमानतों की आशा की जाती है तथा ५० लाख रु० की व्यवस्था पिछले साल के अन्य प्रबन्धों द्वारा विहित अमानतों के अवीत शेष में से व्यवस्थापित करनी थी। शैली अधीन वसूल करने वाले प्रबंधकों ने धनागार में रोकड़ अमानतों के अतिरिक्त बैंक में हुण्डियां दीं। परिवर्तन के कारण वास्तविक रूप में लिए साढ़े तीन करोड़ रुपयों

के मुकाबिले में केवल सवा दो करोड़ रुपए अग्रिम वर्ष प्राप्त करने का अनुमान लगाया जाता है। आय पक्ष में समान न्यूनता हुई है। सरकार चालूवर्ष की समाप्ति पर अवर्गित प्राप्ति अधीन २५ लाख रु० के सन्तुलन की आशा करती है।

चालू वर्ष के सरकारी व्यय पर श्रावणी का अन्न प्राप्त करने के लिए सिविल सपलाई विभाग को २५ लाख रुपए की रकम दी गई। इसके अतिरिक्त १९४९–५० के व्यापारिक अवशिष्ट बिलों के सम्बन्ध में १.३५ लाख रु० का प्रावधान बनाया गया है। चालू वर्ष के लिए अनुमानतः पदार्थों के परिव्यय अधीन २६.३५ लाख रुपए की रकम निरूपित की गई है।

उपरिनिर्दिष्ट श्रावणी के अन्न विक्रय की आय तथा १९४९–५० में परिदत्त अग्रिम विक्रय सहित १९५० के आषाढ़ी-अन्न प्राप्ति की योजना पर प्राप्त लाभांशों का अनुमान ७२ लाख रुपए लगाया जाता है। जो कि पृथक् मद ए. आई (५) (१) प्रात्यादान अधीन दिखाया गया है।

अनुमानित १० लाख रु० के मुकाबले में धान्य पर अधिभार अधीन १२ लाख रुपए की रकम की आशा है। वस्त्र पर अधिभार अभ्यंश का विभाजन न्यूनता वश १ लाख रुपए तक कम हो गया है।

सरकारी डीपूओं द्वारा जिला महेन्द्रगढ़ में अन्न बांटने के लिए ८.२० लाख रुपए का अधिव्यय इस वर्ष स्वीकृत किया गया। धान्य के परिव्ययार्थ ८ लाख रुपए, कर्मचारी वर्ग तथा अन्य व्यय के लिए २०,००० | - |

१९५१–५२ में सरकारी खर्च पर खरीदने की सामान्य योजना में इस जिले के लिए प्राप्ति अन्तराविष्ट है परन्तु चालू वर्ष के २०,००० | - रुपए के मुकाबिले में कर्मचारी वर्ग तथा अन्य परिव्यय

अधीन १.१४ लाख रु० का अधिक प्रावधान रखा गया है।

अग्रिम वर्ष में सरकार राजकीय फंडों के साथ ६० प्रतिशत मात्रा पर्यन्त प्राप्ति कर रही है। ४० प्रतिशत का सन्तुलन व्यापार द्वारा व्यय किया जाए।

१,००,००० टन निर्यात के लिए तथा ६०,००० टन आन्तरिक उपभोग के लक्ष्य हैं। इसका ६० प्रतिशत ६६,००० टन बन जाता है। जिस के लिए सरकार ने १३ रुपए प्रतिमन की दर पर ३३६.६६ रु० की रकम प्रावहित की गई है। जिस में बोरियों के खरीदने के लिए २० लाख रु० की रकम सम्मिलित है। सरकारी खर्च पर खरीदने के लिए पदार्थों के परिव्ययार्थ ३५६.६६ लाख रु० का कुल प्रावधान बनाया गया है।

उपर्युक्त ३५६.६६ लाख रुपए की कुल लागत लगभग ३ लाख रुपए के सीमान्त लाभों सहित १६५१-५२ में अपने आप वसूल की जाएगी। इसका निर्णय अवर्गित लेखा की अमानतों के सन्तुलन में से किया जाएगा। वसूलियों के मुख्य भाग वसूल करने के सम्बन्ध में प्रबन्धकों की ओर से प्रबन्धित हुण्डियों के निर्णय द्वारा वसूल किया जावेगा।

धान्य पर लगे हुए अधिभार अधीन ८.४४ लाख रुपए का प्रावधान -।५।- प्रतिमन की पर निर्यात किए जाने वाले १,००,००० टन की मात्रा तक निर्भर है।

अन्य प्राप्तियों तथा प्रत्यादान अधीन १,००,००० टन के लिए १।४।- प्रति टन की दर पर परीक्षण की शुल्क के कारण १.२५ लाख रु० की रकम ली गई है।

वस्त्र पर लगे कर के कारण आय १.८८ लाख रुपए रक्खी गई है और इसमें अधिभार के लिए १.५६ लाख रुपए वस्त्र तथा रूई का लाईसैन्स शुल्क ४२,५००।- रु० सम्मिलित हैं।

अग्रिम वर्ष के लिए यूनीयन के व्यापार पर कुल वास्तविक खर्च चालू वर्ष के संशोधित अनुमानों में प्रावहित किए ३६.२८ लाख रुपए के मुकाबिले में १५.२८ लाख रु० होता हैं।

(४१) लोकोपयोगी योजनाएं :—

यूनियन की जनता के उपकारिक साधनों के व्ययार्थ १९५१-५२ के बजट में विभिन्न मदों में सम्मिलित किए प्रावधान विस्तार सहित निम्नांकित हैं :—

(क) आगम लेखा :—	लाखों रुपयों में
(१) सिंचाई के नालों के पुनर्निर्माण के लिए दूसरी किस्त	३.००
(२) भूमि के विभाजन, तथा संपिण्डन के लिए	४.८१
(३) सड़कों के चौड़ा करने तथा सुधार करने के लिए	३.४१
(४) वन विभाग में उन्मृदा संरक्षण	.५०
(५) विक्टोरिया गर्लज़ इन्टरमीडियेट कालिज की स्थिति को डिगरी कालिज तक ऊँचा करना तथा बिरला ट्रस्ट के प्राईमरी स्कूलों का संग्रहण	.६८
(६) दादरी, फूल तथा जैतो में स्त्रियों के तीन चिकित्सालय तथा एक चिकित्सालय नालागढ़ में निर्माण करने के लिए	१.१८
(७) विद्युद्विभाग में उन्नति	४.०५
(८) नए उप-स्टेशन के लिए ट्रांसमीटर के सामान का खरीदना	२.१७
योग :—	१९.८०

(ख) पूंजी लेख :— लाख रुपयों में

(१) खन्ने से गोबिन्दगढ़, चसी आदि तक तथा कपूरथला आदि के मध्य में ११ के. वी, लाईनें निर्माण करना	१६.२६
(२) विधान सभा के भवन निर्माण के लिए	३.००
योग :—	१६.२६

(ग) विकास तथा अन्य फंडों से :—

(१) नई सड़कों पर	२७.१६
(२) विद्या, चिकित्सा, कृषि, पशुचिकित्सा तथा उद्योग आदि पर	२३.७६
(३) ग्राम सुधार फंड	५.००
(४) पश्चवर्ती श्रेणी फंड	४.००
(५) गहनकृपि तथा प्राप्ति संबन्धी योजनाएं	
(क) नारनौल नगर के लिए जल प्रदायार्थ दो नदियों के संगम पर बांध बंधने की योजना	६.३७
(ख) गहन कृषि तथा प्राप्ति सम्बन्धी योजनाएं	६६.२७
योग	१३५.५६
कुलयोग	१७४.६८

(४२) केन्द्रीय सरकार की ओर से ऋण तथा पेशगियां :—

चालू वर्ष में पैपसू उन्नतिबोर्ड ने उधारों के रूप में केन्द्रीय सरकार से ४० लाख रुपए की रकम वसूल की तथा वर्ष समाप्ति के पूर्व अन्य १० लाख रुपए की आशा की जाती है। राजपुरा तथ त्रिपुरी के उपनगरों के निर्माण व्यय को पूरा करने के लिए अग्रिम वर्ष पैपसू उन्नतिबोर्ड के लिए आवश्यकीय ऋण ७२ लाख रु० बन जाता है।

विस्थित प्राणियों के पुनः प्रनिष्ठापनार्थ ऋण अग्रिमवर्ष के बजट में निम्न लिखित प्रावधान बनाए गए हैं :—

बहावलपुरी विस्थित प्राणी	१० लाख रुपए
नागरिक ऋण	३५ लाख रुपए
ग्राम्य ऋण	४५ लाख रुपए
गृह निर्माण	१० लाख रुपए
योग	१ करोड़ रुपए

पैपसू उन्नतिबोर्ड के उधारों पर सवा तीन प्रतिशत ब्याज लगाया गया है। यह २० वर्षों में १५ किस्तों के रूप में प्रतिदेय है। पहिली किस्त छठे वर्ष से आरम्भ होती है।

(४३) सरकारी कर्मचारियों को ऋण :—

सरकार के निर्णय को मुख्य रखते हुए सरकारी कर्मचारियों के लिए २ लाख रुपए ऋण के रूप में गृहनिर्माणार्थ प्रावहित किए गए हैं।

(४४) डाकखाने के संचय-अधिकोष जमा निक्षेप :—

संधानीय आर्थिक संघठन की योजना को चालू करने के लिए डाकखाने के संचय अधिकोष जमा निक्षेप का कुल सन्तुलन केन्द्रीय सरकार को चालू वर्ष में अदा किया जायेगा। यह सन्तुलन ६८.३७ लाख रुपए हैं।

(४५) सहायता फंड :—

किला मुबारिक में उत्स्फोट के कारण पीड़ितों के लिए भारत सरकार द्वारा स्वीकृत ३.४० लाख रुपए की कुल हानि पूर्ति, चालू वर्ष में इस फंड में से चालू की जायगी।

(४६) गहनकृषि तथा प्राप्ति सम्बन्धी योजना फंड :—

अन्न प्राप्ति तथा निर्यात के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राप्त-अधिलाभांश इस फंड में जमा किया गया है। गहन कृषि तथा प्राप्ति सम्बन्धी योजना व्यय इसी फंड में से होता है। केन्द्रीय सरकार की ओर से आशा किए जाने वाला अधिलाभांश इस वर्ष ८० लाख रुपए तथा अग्रिम वर्ष ५७.७५ लाख रुपए हैं। चालू वर्ष में गहनकृषि तथा प्राप्ति सम्बन्धी योजना के सम्बन्ध में विभिन्न व्यय की आशा ५३.३२ लाख रुपए की जाती है। ७५.६४ लाख रुपए का प्रावधान १९५१-५२ के बजट में बनाया गया है।

	संशोधित अनुमान १९५०-५१	संशोधित अनुमान १९५१-५२
	लाखों रुपयों में	
१. गहनकृषि योजनाएं (४०-कृषि)	२९.५४	३५.९२
२. कृषि ऋण	१६.१०	२०.४०
३. नारनौल बन्ध योजना (१६-सिंचाई)	——	६.३७
४. प्राप्ति योजनाएं (८५—ए यूनियन व्यापारिक योजनाओं पर पूंजी उद्व्यय	७.६८	१२ ६५
५. सस्य कृन्तन योजनाएं (७-भू आगम)		.३०
योग :—	५३.३२	७५.६४

(४७) हस्पताल (चिकित्सालय प्रणीवि) :—

चालू वर्ष में इस फंड में से प्रावहित की गई १२ लाख रुपए की रकम व्यय नहीं की गई। नवीन चिकित्सालय निर्माण की अग्रिम

वर्ष में आशा की जाती है तथा इस उद्देश्य के लिए आवश्यक प्रावधान अग्रिम वर्ष के अनुमान में बनाया गया है।

(४८) अवमूल्यन संचिति फंडः—

अग्रिम वर्ष विद्युद्विभाग के अवमूल्यनफंड के लिए १ लाख रुपए का तथा भूपेन्द्रा स्टेट प्रैस के अवमूल्यनफंड के लिए ५०,००० रुपए का प्रावधान बनाया गया है। क्योंकि टैलीफ़ोन विभाग को केन्द्रीय सरकार ने सम्भाल लिया है, टैलीफ़ोन अवमूल्यनफंड के ५०,००० रुपए केन्द्रीय सरकार को अदा किए जाएंगे।

(४९) पुलीस फंड :—

पुलीस की वरदियों तथा कपड़ों सम्बन्धी खर्च के कारण "२९ पुलीस अधीन प्रावहित रकम कपड़े आदि के क्रय निलम्बित फंड में जमा किया गया है। चालू वर्ष में २.९० लाख रुपए का प्रबन्ध किया गया था और अग्रिम वर्ष के लिए २ लाख रुपए का प्रबन्ध किया गया है।

(५०) प्रतिस्थापन फंड :—

यह फंड अनध्यर्थित तथा प्रवासी चल सम्पत्तियों की विक्रय आय से बनाया गया है। आय १० लाख रुपए तक रखी गई है। समस्त प्रणीवि केन्द्रीय सरकार को अर्पित की गई है।

(५१) मुस्लिम प्रवासी सम्पत्ति :—

मुसलमानों की जायदाद से जो किराया वसूल होता है वह इस फण्ड में जमा होता है। आगामी वर्ष के लिए १५ लाख आय होने का अनुमान है। इंटर डोमिनियन समझौते के अनुसार १० प्रतिशत आय

शरणार्थियों की सम्पत्ति के सुधार के लिए तथा अन्य १० प्रतिशत सम्पत्ति प्रबन्ध के लिए प्रयोग में लाई जा सकती है।

केन्द्रीय सरकार ने सितम्बर १६५० में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में शरणार्थियों के उपहत मकानों के पुनर्निर्माण या सुधार के लिए इस फण्ड में से ५ लाख रुपए की रकम को उपभोग में लाने की विशेष स्वीकृति दे दी है। ग्राम्य क्षेत्रों में बाढ़ग्रस्त विस्थित प्राणियों की सहायता के लिए १० लाख रुपए की रकम इस फण्ड में से लगाई गई।

(५२) रैजीमैण्टिल फंड :—

इस फण्ड का सन्तुलन रैजीमैण्टिल फण्डों तथा अन्य सैनिक फंडों से बना। इन फण्डों को पैपसू सरकार के प्रलेखों में रखने की आज्ञा दी गई है। अन्य सैनिक फण्ड केन्द्रीय सरकार को समर्पित किए जाएंगे। केन्द्रीय सरकार को अदा किए जाने वाले सैनिक फण्डों का वास्तविक सन्तुलन ४.७७ लाख रु० है।

(५३) डाक टैलीफोन के निक्षेप :—

यह सेविंग बैंक के जमा के अलावा डाक निक्षेप को प्रतीत करते हैं और संधानीय आर्थिक संघठन होने के कारण प्रदेय हैं। इस मद अधीन २४.२ लाख रुपए का वास्तविक सन्तुलन केन्द्रीय सरकार को अदा किया जायेगा।

(५४) आपत्ति-पुस्तक अगाऊ :—

चालू वर्ष के संशोधित अनुमानों में इस अधीन २१.६५ लाख रु० का समाकलन लिया गया है। ये पेशगियां संघटन की मिती से पूर्व संधानीय विभागों को की हुई पेशगियां प्रकट करती हैं और केन्द्रीय सरकार से वसूल करने योग्य हैं।

(५५) विशेश अगाऊ :—

पशु सुधार योजना के लिए ६०,००० रुपए की रकम प्रावहित की गई है।

(५६) मार्गोपाय :—

कुल प्राप्तियां तथा व्यय जो आय पर है २००६ (१९४९-५०)-१९५०-५१ तथा १९५१-५२ के लिए निम्न प्रकार है।

	वास्तविक आय) २००६ वि० (१९४९-५०)	(संशोधित आगणन) (१९५०-५१)	(बजट अनुमान) १९५१-५२	(२००६ वि० से आगे) (१९४९-५० से १९५१-५२ तक
	लाखों रुपयों में			
आगम और प्राप्तियां	५६०.१८	५११.१२	४४१.७९	१५१३.०९
आगम पर आरोपित व्यय	५२६.३८	४५१.४६	४४०.१२	१४१७.९६
शेष (+)	+३३.८०	+५९.६६	+१.६७	+९५.१३

२००६ में ३३.८० लाख रुपए का आगमशेष था और चालू वर्ष के लिए आगम शेष ५९.६६ लाख रुपए पूर्वावधारित हैं। १९५१-५२ के लिए बजट में केवल १.६७ लाख रुपए का लघुशेष प्रावहित किया गया है। १९५१-५२ की समाप्ति तक के तीन वर्षों के लिए वास्तविक परिणाम स्वरूप ९५.१३ लाख रुपए के शेष की आशा है।

निम्नलिखित नकशा २००६ वि० (१९४९-५०) १९५०-५१ १९५१-५२ के तीन वर्षों के लिए आप तथा व्यय प्रगट करता है जिसमें १९५०-५१ और १९५१-५२ के लिए संभाव्य संवरणशेष सम्मिलित है।

	(वास्तविक आय) २००६ वि० १६४६-५०	संशोधित अनुमान वि० १६५०-५१	बजट अनुमान १६५१-५२	जोड़ २००६ वि० १६४६-५० से १६५१-५२
आय	लाखों रुपयों में			
१. आरम्भिक अन्तर	२६६.०३	४१६.६१	२३८.६६	२६६.०३
२. आगमलेखा शेष	३३.८०	–५६.६६	–१.६७	६५.१३
३. केन्द्रीय सरकार से करज़ा तथा अगाऊ	८६.५०	–५०.००	१७२.००	३०८.५०
४. यूनीयन सरकार को पुनः अदा किए ऋण	४.००	१.७६	२.३७	८.१३
५. करज़े तथा निक्षेपमद अधीन वास्तविक आय	३०६.६६	——	७२.०८	३३३.८६
योग	७३०.२६	५३१.३३	४८७.११	१०४४.६८
	लाखों रुपयों में			
व्यय				
१. अराजकीय कार्य तथा बिजली पर पूंजी उद्व्यय	३१.६८	१५.०५	२२.७६	६६.८२
२. राजकीय व्यापार पर पूंजी उद्व्यय	८६.२५	३६.३५	१५.२८	२५.३८
३. विशेष रक्षित फ़ण्ड में परिवर्तन	२५०.००	——	——	२५०.००

४. करजे तथा अगाऊ पुनः अदा किये ऋण	२.२१	—	—	२.२१
पैपसू उन्नति बोर्ड को उधार	४०.०२	५०.००	७२.००	१६२.०२
विस्थित प्राणियों को कर्जा	१४.२४	५०.००	१००.००	१६४.२४
अन्य ऋण	१.१८	७.३६	१४.६६	२३.५२
५. संधानीय आर्थिक संघठन के कारण केन्द्र को अर्पित शुद्ध रोकड़	—	८५.४३	—	८५.४३
६. करजे तथा निक्षेप मद अधीन वास्तविक व्यय	—	४५.१५	—	—
योग :	३१०.३८	२६२.३४	२२५.०६	७८२.६३
संवरणशेष	४१६.६१	२३८.६६	२६२.०५	२६२.०५

ऊपर लिखित अंकों के देखने से प्रतीत होता है कि चालू वर्ष की समाप्ति पर २३८.६६ लाख रुपए के संवरण शेष की आशा है। चालू वर्ष के रोकड़ सन्तुलन में अधिक कमी अधिकांशतः निम्न लिखित विवरणानुसार है :—

	लाखों रुपयों में
१. केन्द्रीय सरकार को देय वास्तविक शोधन	८५.४३
२. अराजकीय कार्यों तथा यूनीयन व्यापार पर पूँजी कृत व्यय	५४.४०

४.	शरणार्थियों को करज़ा	५०.००
४.	विकास तथा अन्य प्रणीवियों से व्यय	५६.४०

आगामी वर्ष की समाप्ति पर रोकड़ सन्तुलन में लगभग २३ लाख रुपए की वृद्धि है। जो मुख्यतः आगामी वर्ष में लगभग १३४.२० लाख रुपए की परिपक्व लागतों के मुकाबिले में केवल ५० लाख रुपए का प्रावधान लागतों के लिए लगाया गया है। ८४.२० लाख रुपए का अन्तर किसी सीमा तक अराजकीय कार्यों तथा यूनियन के व्यापार पर पूँजी उद्व्यय के लिए लगभग ३८ लाख रुपए के प्रावधान के कारण तथा पैपसू उन्नति बोर्ड पर शरणार्थियों के कर्जे के अतिरिक्त अन्य करज़ों के लिए १४.६६ लाख रुपए का प्रावधान करके पूरा किया गया है।

यह आशा की जाती है कि यूनियन आगामी वर्ष स्वकार्यों पर जिस में अल्पावधि ऋण दान के अतिरिक्त स्वसंसाधित अन्न की प्राप्ति सम्मिलित है पूँजी लगा सकेगी।

केन्द्रीय सरकार से गृहीत ऋण अग्रिम वर्ष प्रतिशोधन के लिए विचाराधीन नहीं। अग्रिम वर्षीय करज़ों की समूह राशि उसी उद्देश्य के लिए विभक्त की जायगी। सात वर्षों के लिए यूनीयन के व्यापार अधीन व्यवहारों का वास्तविक परिणाम २५.३८ लाख रुपए तक ऋण के रूप में दिखाया गया है। यह अन्य प्रबन्धों से प्राप्त अधिक अगाऊ निरूपण करता है जो उनके प्रत्यर्पण की जाएंगी।

विशेष रक्षित प्रणीवि में परिवर्तित अधीन निरूपित २५० लाख रुपए की रकम उस रकम से सम्बन्ध रखती है जो २००६ वि० में केन्द्रीय सरकार की रियास्ती मन्त्री मण्डल की पत्रिका नं० ऐफ़

२६२-पी/४६ दिनाङ्क १४ दिसम्बर १६४६ के पहिरा ३ की शर्तों के अनुसार विभिन्न सम्मिलित राज्यों से पित्रागत रूप में प्राप्त देय धन से तरल सम्पत्ति के आधिक्य में से परिवर्तन किया गया।

(५७) सांख्यिकीय सामग्री :—

सांख्यिकीय विभाग की सहायता से अग्रिम वर्ष के लिए बजट के अंकड़े इस व्याख्यापत्र से अनुबन्धित अनुबन्धों में सांख्यिकीय सूचना के रूप में उपस्थित किए गए हैं। कृषि प्रतिष्ठापन, उद्योग, तथा विद्या सम्बन्धी सूचना भी दी गई है। क्योंकि सांख्यिकीय विभाग ने इस वर्ष अपना कार्य अति विलम्ब से आरम्भ किया, इसलिए सांख्यिकीय सूचना देना अशक्य है, जो पूर्व वर्षीय बजट से तुलना करने में सहायक हो।

आगामी वर्ष की सकल आय को गिनने के कारण कर-आगम ३३३.३३ लाख रुपए है तथा कर रहित आगम १५८.१७ लाख रुपए है अर्थात् यह सकल-आय क्रमशः ६८ प्रतिशत तथा ३२ प्रतिशत बनती है। कर-आगम अधीन सकल आय के ऐक्साइज़ कर का प्रतिशत ४४.५% तथा भू-आगम का ३० प्रतिशत है जब कि कर रहित आय अधीन सिंचाई का सैंकड़ा प्रति ३३.५ प्रतिशत तथा बिजली अधीन १०.८ प्रतिशत है। व्यय पक्ष में न्याय, पुलीस, जेल आदि क्षेम सेवाएं आदि। कुल खर्च का ४२.७ प्रतिशत बन जाती हैं जब कि सामाजिक सेवाओं पर व्यय का प्रतिशत २४.६ प्रतिशत तथा उन्नति सेवाओं का २३.६ प्रतिशत है। पुलीस का व्यय ४१.६ प्रतिशत सामाजिक सेवाओं में से विद्या कार्य पर व्यय ५६.४ प्रतिशत तथा चिकित्सा जो कि द्वितीय श्रेणी में है २६.२ प्रतिशत है। बिजली तथा अराजकीय कार्यों पर व्यय, उन्नति सेवाओं के कुल व्यय का ६४.३ प्रतिशत बनता है।

नत्थी

सम्वत् २००६ वि० (१२-४-१९५०)
सिकिउरटयों के भाग तथा रोकड़

क्रमांक	फण्ड का नाम	१२-४-१९५० को उपलब्ध राशि	
		रू० आ०—पा०	
१.	विकास फण्ड	९७,२९,२१९—५—९	३ प्रतिशत १९५३-५५
			३ ,, १९५७
			३ ,, १९७०-७५
			३ ,, १९६३-६५
			३ ,, १९६६-६८
			३ ,, १९५९-६१
			३ ,, पञ्जाब
			बन्द पत्र १९५६
			३ प्रतिशत १९५१-५४
			२$\frac{3}{4}$,, १९६२
			२$\frac{1}{2}$,, १९६१
			जातीय संचय
			प्रमाणपत्र

नं० १

की समाप्ति पर प्रणीवि-तुलना में
का विशेष प्रयोजन के लिए रखना

विशेष प्रयोजन के लिए रखना			
सिक्यिुरटियां	अंश	रोकड़	
रू० आ० पा०		रू० आ० पा०	रु० आ० पा०
४,२०,०००-०-०	कपूरथला राज्य केन्द्री		
१३,५०,१००-०-०	सहकारी अधिकोष	१,००,०००-०-०	
२४,००,०००-०-०			
१२,००,०००-०-०	सुखजीत स्टार्च ऐण्ड कैमीकल्ज लि.	१५,०००-०-०	
३,५०,०००-०-०			
८,००,०००-०-०	डालमिया जैन वायुमार्ग लि.	५१,२५०-०-०	
	मैसूर पेपर-मिल्ज लि.	७,०२५-०-०	
१,५०,०००-०-०			
३,००,०००-०-०	श्री कृष्णा राजन्द्रा		
१,१०,६००-०-०	मिल्ज़ लि०	१८,६४७-८-०	
	कलकत्ता		
२,१०,०००-०-०	लैंडिंग ऐण्ड शिपिंग क. लि०	३८,३६६-४-०	
	जगज्जीत काटन		
८,३६,२१०-०-०	टैक्सटाइल मिल्ज़ लिमिटिड	५०,०००-०-०	

क्रमांक	फण्ड का नाम	१२-४-१९५० को उपलब्ध राशि	
२.	सहायता फण्ड	२९,०२,०११—१—८	
३.	पश्चवर्ती श्रेणी फण्ड	१४,०४,८९०—१०—११	
४.	ग्राम सुधार फण्ड	३०,००,०००—०—०	
५.	गहन कृषि तथा प्राप्ति की योजनायों के लिए फण्ड	३,६३,४५९—९—०	जातीय संचय प्रमाण पत्र
६.	प्रतिक्षय रोग फण्ड	२५,७६३—३—३	
७.	विशेष रक्षित फण्ड	२,६८,६५,५००-०-०	४ प्रतिशत १९६० ७०
			३ ,, १९५७
			४½ ,, १९५५-६०
			३ ,, १९७०-७५
			३ ,, १९६३-६५
			३ ,, १९६६-६८

विशेष प्रयोजन के लिए रखना

सिकिउरटियां	अंश	रोकड़	
	श्री उदय भानु इण्डस्ट्रीज़ लि०	८७,५००-०-०	
	टीटागढ़ पेपर मिल्ज़ कम्पनी लिमिटिड	१५,१७८-८-०	
	श्री गोपाल पेपर मिल्ज़ लिमिटिड	६,६६०-०-०	
	शाम जी कर्मसी	६,१४,६४०-१-०	
८१,२६,६१०-०-०		१३,०७,६३०-५-०	२,६४,६७६-०-६
—		—	२६,०२,०११-१-८
—		—	१४,४४,८६०-१०-१
—		—	३०,००,०००-०-०
१,००,०००-०-०		—	२,६३,४५६-६-०
		—	२५,७६३-३-३
३०,७०,२००-०-०			
३३,०१,०००-०-०			
२,००,०००-०-०			
४,४८,४००-०-०			
१८,३२,८००-०-०			
३१,५०,०००-०-०			

क्रमांक	फण्ड का नाम	१२-४-१९५० को उपलब्ध राशि	
			३ ,, १९५९-६१
			३ ,, परिवर्त्य १९४६
			३ ,, १९५१-५४
			२¾ ,, १९६२
			जातीय संचय प्रमाणपत्र
८.	चिकित्सालय फण्ड	१५,२१,५१६-३-६	बैंक ग्राफ पटियाला रोकड़ सर्टीफिकेट
९.	सुरक्षित फण्ड की व्यवहारिक सूची	३,३२,५३१-१४-१०	३ प्रतिशत पंजाब बन्ध पत्र १९४९ ४ प्रतिशत पंजाब बंध पत्र १९४८
१०	अन्य निक्षेप डाक संचय अधिकोष निक्षेप नाभा	१,६२,३६,३३५-१-१	३ प्रतिशत पंजाब बन्ध पत्र १९५५ जातीय संचय सर्टीफिकेट
	भरतपुर प्राभृत फण्ड (फरीदकोट) निक्षेप नाभा		४ प्रतिशत १९६०-७० ३ प्रतिशत १९४९-५२ ३ ,, पञ्जाब बंध पत्र १९५५ २¾ ,, १९६२ ३ ,, पंजाब बंध पत्र १९५६

विशेष प्रयोजन के लिए रखना

सिकिउरटियां	अंश	रोकड़
३४,००,०००-०-०		
४७,१५,६००-०-०		
६,२०,४००-०-०		
३१,१३,१००-०-०		
११,४८,२००-०-०		
२,५०,००,०००-०-०	—	१८,६५,५००-०-०
१०,६६,६१२-८-०	—	४,५४,६०६-११-६
५०,०००-०-०		
१,६०६-१२-०		
५१,६०६-१२-०	—	२,८०,६२२-२-१०
१,६६,५६५-१२-०		
१,००,०००-०-०		
२,६६,५६५-१२-०	ऐम्बीका वायु लाईनां लि २,००,०००-०-०	—
६,४००-०-०	—	—
१०,०००-०-०	—	—
४०४-४-०	—	—
१५,०००-०-०	—	—
३,००,०००-०-०	—	—

क्रमांक फण्ड का नाम	१२-५-१९५० को उपलब्ध राशि	
		३ प्रतिशत पञ्जाब बंध पत्र १९५८
		३ प्रतिशत १९६३-६५
		४ ,, १९६०-७०
अन्य निक्षेप		
योग	६,२४,५४,२३०-२-०	

विशेष प्रयोग के लिए रखना

सिकिउरटियां	अंश	रोकड़
२०,१००-०-०	—	—
१,७५,०००-०-०	—	—
४,००,०००-०-०	—	—
९,२०,५०४-४-०		
—	—	१,४८,१२,८३५-१-१
३,५५,७२,२३२-४-०	१५,०७,६३०-५-०	२,५३,७४,३६७-९-९

नत्थी

अनुमान कमेटी की अभिस्ताव–प्रदर्शिका

क्रमांक	अभियाचन तथा अनुशीर्षक का नाम तथा नम्बर		१९५०-५१ के लिए स्वीकृत बजट अनुमान
			रुपए
१.	अभियाचन नं०	२-यूनीयन ऐक्साईजं कर	२३,१८,२००
२.	अभियाचन नं०	४-वन	३,१६,६००
३.	अभियाचन नं०	१३-गृह विभाग	
		ए. सैक्रीटैरिएट	२,७१,३००
४.	अभियाचन नं०	१५-माल विभाग	१,९२,५००
५.	अभियाचन नं०	१८-इन्डस्ट्री तथा सपलाई विभाग बी, सिविल सपलाई डाइरैक्टोरेट	२,१६,०००
६.	अभियाचन नं०	१८-इन्डस्ट्रीज़ तथा सपलाईज़	७३,७००
		१९-प्रतिस्थापन तथा परस्पर सहायक	६८,२००
७.	अभियाचन नं०	२३-जिला प्रशासन	१५,४७,९००
८.	अभियाचन नं०	२५-जेलें तथा न्यायिक कारागारें ए-कारागारें (इन्स्पैक्टर जैनरल का कार्यालय) केंद्रीय कारागार पटियाला	४,४३,०००

नं० २

तालिका जो कि सरकार द्वारा स्वीकृत है।

अनुमान समिति द्वारा प्रस्तावित पोस्टो में प्रह्लसन		रुंचय का वार्षिक प्रभाव
		रुपये
चपड़ासी	—१०	६,६००
अश्वपाल	— १	६००
तरखान	— १	६६६
अधीन सैक्रेटरीज़	— २	७,४४०
सहायक	— २	३,४८०
जूनियर कलर्क	— ५	४,५००
परीक्षक	— १	१,६२०
अंकेक्षक (अस्थायी केवल तीन महीनों के लिए)	— २	—
स्टैनोग्राफ़र	— १	१,७४०
जमादार	— १	७८०
दफ़्तरी	— १	७८०
स्टैनो टाईपिस्ट	—७	१७,६४०
कलर्क (६०-४-१००	—७	
सीनीयर कलर्क (आई० जी० जेल का कार्यालय)	—१	१,२००
जूनीयर कलर्क (केंद्रीय जेल)	—२	१,८००

क्रमांक	अभियाचन तथा अनुशीर्षक का नाम तथा नम्बर	१९५०-५१ के लिए स्वीकृत बजट अनुमान
		रुपये
९.	अभियाचन नं० २६ पुलिस के होमगारद	७,२०;०००
१०	अभियाचनानं०-२८ मैडीकल ए सुपरिन्टैण्डैन्स	२,०२,०००
	बी-चिकित्सालय तथा औषधालय	२,९१,३००
	बी-(१) राजेन्द्रा हस्पताल	
	बी-(२) लेडी डफरिन हस्पताल	१,७४,७००
	बी-(३) हजूरी डिस्पैंसरी	३३,६००
११.	अभियाचन नं० ३० कृषि	
	(क) डाइरैक्शन	४०,२००
	(ञ) उद्यान कर्म	४,८३,३००
१२.	३५-प्रकीर्ण विभाग—	
	(क) रिकानजात विभाग	
	(क) पाहुन गृह, परिधि गृह तथा विश्राम गृह आदि	२,३६,९००

अनुमान समिति द्वारा प्रस्तावित पोस्टों में प्रह्रासन		संचय का वार्षिक प्रभाव
		रुपये
ब्रिगेडियर	—१	१७,०००
सहायक	—१	१,८००
स्टैनोग्राफर	—१	१,३००
फोटोग्राफर	—१	१,४००
नैत्यक कलर्क	—१	१,०००
कुहार	—१	६००
स्वीपर	—१	६००
जूनीयर कलर्क	— १	७,२००
,, ,,	— १	६००
,, ,,	— १	६००
वार्ड कुली	— १	७००
कुहार	— १	६००
जूनीयर क्लर्क	— २	१,८००
माली वर्ग में २५ प्रतिशत घटाव अर्थात (४४२)	—११०	६८,०००
लोइर डिवीज़न कलर्क	— ३	३,०००
परिधि-गृह		
फराश, माली, चौकीदार स्वीपर	— ७	४,६००
सब डिवीजनों के हैडक्वाटरों पर विश्राम		
गृह चौकीदार, माली, स्वीपर	— ४	२,६००
तहसील हैडक्वाटरों पर विश्राम गृह		
चौकीदार; स्वीपर, बारादारी पैलेस	— १६	१२,६००

क्रमांक	अभियाचन तथा अनुशीर्षक का नाम तथा नम्बर	१९५०-५१ के लिए स्वीकृत बजट अनुमान
		रु०
१३.	अभियाचन नं० ४२-प्रकीर्ण	
	(क) प्रकाशन विभाग	१,४२,९००
१४.	अभियाचन नं० ४२-शरणार्थियों पर व्यय	
	रक्षित मुस्लिम प्रवासी सम्पत्ति	२,०१,७००
	डाइरैक्टर ग्राम प्रतिष्ठापन	५,८५,८००

अनुमान समिति द्वारा प्रस्तावित पोस्टों में प्रह्रसन		संचय का वार्षिक प्रभाव
		रु०
बारदारी पैलेस		
पाहुन गृह पटियाला तथा चायल	— ६	४,०००
पाहुन गृह के प्रबंधक का कार्यालय		
सहायक सुप्रवाईज़र	— १	१,२००
कलर्क	— १	६००
चपड़ासी	— २	१,३००
मोटर गैराज, वाहन तथा फील खाना		
टैलीफोन कलर्क	—३	२,७००
जूनीयर कलर्क	—१	६००
डराईवर	—२	२,४००
तरखान	—१	१,०००
मोची	—१	६००
फैरीग्रर मेजर	—१	१,०००
कलीनर	—१	८००
सरकारी फोटोग्राफर	—१	६,८४०
सहायक डाइरैक्टर प्रकाशन	—१	३,७२०
सहायक ज़िला प्रकाशन	—१	३,१२०
तरखान	—१	१,२४८
प्रपंजी लेखक	८	५,५००
सब इंस्पैक्टर	१०	८,५००
मुख्य कार्यालय		
सीनीयर कलर्क		
जूनीयर कलर्क	३	
ज़िले के कार्यालय		
ड्राइवर		
चपड़ासी	१४	
तहसीलदार	१२	

क्रमांक	अभियाचन तथा अनुशीर्षक का नाम तथा नम्बर	१९५०-५१ के लिए स्वीकृत बजट अनुमान

अनुमान समिति द्वारा प्रस्तावित पोस्टों में प्रह्रसन		संचय का वार्षिक प्रभाव
चपड़ासी तथा विधासर्वर	१८	८०,६५५
नायब तहसीलदार	५	
रीडर	५	
चपड़ासी	५	
कानूनगो	३०	
पटवारी	१०५	
योग		३,०३,२५६

नत्थी नं० ३

कर तथा कर रहित आगम

(कुल)

वर्ष	कर आगम	कर रहित आगम	कुल आय का योग	कुल आय के प्रतिशत रूप कर आगम	कुल आय के प्रतिशत रूप कर रहित आगम
१९५१-५२	३,२३,३३,०००	१,५८,१७,३००	४,८१,५०,३००	६८ प्रतिशत	३२ प्रतिशत
अनुमान					

कर आगम

(कुल)

आगम का विवरण	रकम १९५१-५२ (अनुमान)	प्रतिशत	आपात
	रुपये		
१. भू-आगम	१,००,००,०००	३० प्रतिशत	रु० आ० पा०
२. आय-कर	२२,००,०००	६.५ ,,	०-१०-३
३. विशेष विक्रय-कर	२५,१५,०००	७.५ ,,	०-११-६
४. व्यापारिक तथा न्यायिक मुद्रांक कर	२०,००,०००	६ ,,	०-११-२
५. ऐक्साईज़ कर	१,४७,६८,०००	४४.५ ,,	४- ५-०
६. प्रकीर्ण	१८,५०,०००	५.५ ,,	०- ८-८
योग	३,३३,३३,०००		

नोट :— प्रकीर्णान्तरावेशित

(१) वहित्र यान क्रिया पर वसूलियां

(२) आमोद कर

(३) तम्बाकू नीलामी आय

(४) शर्करा पर कर

(५) दीया सलाई कर आदि

कर रहित आगम

(कुल)

आय विवरण	रकम १९५१-५२ [अनुमान]	कर रहित आगम का प्रतिशत	आपात प्रति-व्यक्ति
			रु० आ० पा०
१. बन	४,६०,०००	३.१ प्रतिशत	—
२. रजिस्ट्रेशन	२,५०,०००	१.६ ,,	०-१-२
३. सिंचाई	५३,००,०००	३३.५ ,,	—
४. अराजकीय कार्य	४,७७,०००	३ ,,	०-२-२
५. बिजली	१७,००,०००	१०.८ ,,	०-७-११
६. जानपद प्रशासन	३०,६२,८००	१६.५ ,,	०-१४-५
७. प्रकीर्ण	४५,०७,५००	२८.५ ,,	१-४-४
योग	१,५८,१७,३००		

नोट :— प्रकीर्णान्तरावेशित

(१) डैविट सर्विसइन्ट्रैस्ट

(२) रेलवे की आय

(३) अधिवार्षिकी सहायता की वसूलियां

(४) लेखन सामग्री तथा छपाई

(५) असाधारण वसूलियां

(६) अन्य लघु मदें

नत्थी नं० ४

व्यय

[कुल]

प्रजा खर्च का वर्गीकरण

विवरण	रकम १९५१-५२ [अनुमान]	कुल रकम का प्रतिशत
१. प्रतिभूति सेवायें	१,९७,२४,९००	४२.७ प्रतिशत
२. सामाजिक सेवायें	१,२१,७६,७००	२४.९ ,,
३. उन्नति सेवायें	१,१६,४६,५००	२३.९ ,,
४. डैब्ट सेवायें	१,९४,०००	.४ ,,
५. प्रकीर्ण सेवायें*	५२,४१,६००	८.१ ,,
योग	४,८९,८७,७००	

*प्रकीर्ण सेवाओं में टकसाल, रिकानजात आदि विभाग सम्मिलित हैं जो कि उपर्युक्त मदों में किसी अधीन वर्गीकरण नहीं किए गए।

नोट :— उपर्युक्त आंकड़ों में उन्नति फंड में से परा किया व्यय भी अन्तरावेशित है।

व्यय विवरण (कुल)

[क]

प्रतिभूति सेवाएं

विवरण	रकम १९५१-५२ [अनुमान]	योग का प्रतिशत	व्यय प्रतिव्यक्ति
	रु०		रु० आ० पा०
१. विशेष प्रबन्ध	४४,०१,३००	२२.३ प्रतिशत	१-४-७
२. न्याय	१६,०५,६००	८.१ ,,	०-७-६
३. पुलीस	१२,०१,५००	४१.६ ,,	२-६-३
४. कारागारें	११,३३,१००	५.७ ,,	०-५-३
५ आगम पर प्रत्यन्त-अभियाचन	४३,८३,०००	२२.३ ,,	१-४-६
योग	१,९७,२४,८००		

[ख]

सामाजिक सेवाएं

विवरण	रकम १९५१-५२ अनुमान	योग का प्रतिशत	व्यय प्रति व्यक्ति
			रु० आ० पा०
१. विद्या	७२,३०,५००	५९.४ प्रतिशत	२-१-९
२. चिकित्सा	३१,८४,६००	२६.२ ,,	०-१४-१०
३. लोक स्वास्थ्य	५,५२,२००	४.६ ,,	०-२-८
४. प्रतिस्थापन	४,३८,३००	३.६ ,,	०-२-६
५. प्रकीर्ण समाजिक सेवायें	७,७१,१००	६.२ ,,	०-३-७
योग	१,२१,७६,७००		

[ख]

उन्नति सेवायें

विवरण	रकम १९५१-५२ [अनुमान]	योग का प्रतिशत	व्यय प्रति व्यक्ति
			रु० आ० पा०
१. कृषि	१३,३८,१००	११.५ प्रतिशत	०-६-२
२. पशुचिकित्सा	४,६५,६००	३.९ ,,	०-३-५
३. परस्पर सहायक	१,८३,४००	१.५ ,,	०-०-५
४. उद्योग तथा सिविल सपलाई	३,३४,४००	२.८ ,,	०-१-६
५. बिजली तथा आराजकीय कार्य	७५,४२,६००	६४.३ ,,	२-३-३
६. उन्नति तथा उपक्रमण	६,५६,०००	५.६ ,,	०-३-१
७. ग्राम सुधार योजना	५,००,०००	४.२ ,,	०-२-४
८. पंजाबी तथा पश्चवर्ती श्रेणी विभाग	७,२६,४००	६.२ ,,	०-३-४

नोट :— उपरोक्त अंकड़ों में उन्नति फंड से पूरा किया व्यय अन्तरावेशित किया गया है।

नत्थी

१६४६-५० के लिए क्षेत्र

	जिला	क्षेत्र फल योग	वन
१.	पटियाला	८,४७,८७२	१२,२८६
२.	संगरूर	१२,४३,५६०	२,३८६
३.	भटिण्डा	१४,३६,१८३	—
४.	फतेहगढ़ साहिब	३,३७,२१३	१६२
५.	बरनाला	७,६६,१७६	४६३
६.	महेंद्रगढ़	८,५७,७२५	२४३
७.	कपूरथला	४,११,५५०	—
८.	कोहिस्तान	३,७६,४७४	२५,७७६
	योग	६३,१२,७५३	४१,३५२

नं० ५

फल का वर्गीकरण

आंकड़े एकड़ों में

कृषि के लिए अनुपयोग्य	अप्रदा के अतिरिक्त कृषि योजना क्षेप्य भूमि	चल अप्रदा	बोजा हुआ वास्तविक क्षेत्र फल
७०,०४१	२,३४,१६१	१,१८,१८६	४,१३,१९५
७१,७१३	१,१७,४६८	२,६५,२७१	७,८६,७२२
५४,२१७	७६,६४२	२,०५,७३८	११,०२,५८६
२३,८५८	७५,५५२	२७,२२०	२,१०,४२१
६,२५७	५४,७८०	६७,८९९	६,३९,७४७
६८,९७९	६७,९४९	१,००,१७९	६,२०,३७५
५८,६१४	८०,४२०	९८,५८२	१,७३,९३४
१,२४,५२६	५९,४५२	४९,०४०	१,१७,६७४
४,७८,०९८	७,६६,४२४	९,६२,११५	४०,६४,६५४

प्रभव :— डाइरैक्टोरेट आफ लैंड रिकार्ड्ज ।

नत्थी

वर्ष १९४९–५० के लिये

जिला	क्षेत्रफल-योग एक्कड़ो में	वन %
१. पटियाला	८,४७,८७२	१.५
२. संगरूर	१२,४३,५६०	.२
३. भटिण्डा	१४,३६,१८३	—
४. फतेहगढ़ साहिब	३,३७,२१३	.०४
५. बरनाला	७,६६,१७६	.०६
६. महेंद्रगढ़	८,५७,७२५	.०२
७. कपूरथला	४,११,५५०	—
८. कोहिस्तान	३,७६,४७४	६.८
योग	६३,१२,७५३	.७

नं० ६

क्षेत्रफल का प्रतिशत विभाजन

आंकड़े एकड़ों में

कृषि के लिए अनुपयोज्य %	अप्रदा के अतिरिक्त कृषि योग्य क्षेप्य भूमि %	चल अप्रदा %	बीजा हूआ वास्तविक क्षेत्रफल %
८.२	२७.७	१३.६	४८.७
५.६	६.४	२१.३	६३.२
३.८	५.३	१४.३	७६.६
७.१	२२.४	८.०४	६२.४२
.७४	६.८	१२.३	८०.१
८.०	७.६३	११.६२	७२.४३
१४.३	१६.५	१३.६	४२.३
३३.१	१५.७	१३.१	३१.३
७.६	१२.२	१५.२	६४.३

प्रभव :— डाइरैक्टोरेट आफ लैंड रिकार्डज

नत्थी

वर्ष १९४९-५० के लिए

जिला	सरकारी नहरें	प्राईवेट नहरें
१. पटियाला	५६,३५१	—
२. संगरूर	३,९५,३७८	४८,०६४
३. भटिण्डा	६,१४,०६५	—
४. फतेहगढ़ साहिब	१,३०६	—
५. बरनाला	२,००,०७४	—
६. महेंद्रगढ़	—	—
७. कपूरथला	—	—
८. कोहिस्तान	—	—
योग १९४९-५० के लिए	१२,६७,१७४	४८,०६४
,, १९४८-४९ ,,	१२'९७,०९१	२३,७४०
,, १९४७-४८ ,,	१०,५९,४७२	९७,९५९

नं० ७

सिक्त क्षेत्रफल

(अंकड़े एकड़ों में)

तालाब	कूयें	अन्य प्रभव	योग
—	१,०३,२३०	६,७६६	१,६६,३७७
—	६६,५०८	—	५,३६,६५०
—	६,५१०	—	६,२०,५९५
२२	१,२३,५३५	—	१,२४,८६३
—	१,१५,५६७	—	३,१५,६४१
—	४५,७२१	—	४५,७२१
—	१,१२,६५६	२,६१६	१,१५,५७८
—	२६०	१७,४७६	१७,७३६
२२	६,०३,६६०	३०,१६१	१६,४६,४४१
—	६,१७,६५५	२०,२५३	१६,५८,७३६
—	५,३७,०६४	२१,३३१	१७,५१,८५६

नत्थी

१९४७ ई० १९५० तक प्रसिद्ध

धान्य का नाम	क्षेत्रफल एक्कड़ों में		
	१९४७-४८	१९४८-४९	१९४९-५०
१. गेहुं	८,५८,३४९	६,९८,६६२	८,५०,११६
२. जौ	१,५७,६७९	१,४९,४११	१,८६,०७१
३. मकई	१,९९,८०४	२,२१,९२२	१,७५,४२३
४. ज्वार	५६३	८२,४२८	१,४३,२८४
५. बाजरा	५,६९,८३६	४,८४,५७६	६,३९,६६०
६. चावल	३७,१२४	३७,३०१	३९,२१७
७. चने	५,५९,७४८	११,४३,६६६	११,०८,५९२
योग	२४,४४,१०३	२८,१७,९९६	३१,४२,३६३

नं० ८

धान्य का क्षेत्रफल तथा उत्पत्ति !

उत्पत्ति टनों में		
१६४७-४८	१६४८-४६	१६४६-५०
२,२३,७२६	२,६२,४८६	३,२०,४४६
४६,६४८	३६,११५	३६,२३५
४६,८००	५७,२१७	५६,६३२
७.०४३	६,६२८	१२,४७६
७५,७२१	४६,७८२	६५,१४४
६,६२८	८,२२०	१०,५६१
१,४२,६७८	२'६४,६३४	२;१३,४०७
५,५२,५४४	६'८२,३८२	७,१८,२०१

नत्थी

१६४७ से १६५० तक दालें, तैल बीज तथा

फसल का नाम	क्षेत्रफल एक्कड़ों में		
	१६४७-४८	१६४८-४६	१६४६-५०
क. दालें	—	—	—
१. मसूर	८,८१२	१०,२१६	६,५०४
२. मूंग, माष	६३,१२५	६३,६६६	६१,६३७
३. आषाढ़ी दालें	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	६६,०२०
ख. तैल बीज	—	—	—
१. अलसी, सरसों राई	६४,६०५	८५,६६३	५२,६८३
२. मूंगफली	३६,६८६	३७,५६७	२८,४३६
३. सीसामम	११,१६६	४,२८२	४,५१०
ग. अन्य फसल	—	—	—
१. गन्ना	७१,३१६	६७,३८१	५४,६६३
२. कपास	१,६२,६६८	१,८१,३६५	१,८८,४२८

नं० १

प्रसिद्ध फ़स्लों का क्षेत्रफल तथा उत्पत्ति

उत्पत्ति टनों में		
१६४७-४८	१६४८-४६	१६४६-५०
—	--	--
१,७०३	१,८५२	१,५११
७,०२४	८,१८१	७,०८१
अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	७,३७५
—	—	—
१५,६६१	११,४६५	७,६३२
८,०४७	५,७००	५,४१६
१,६०६	४०६	४३२
—	--	—
६३,६७२	५८,२०६	६१,३३४
७०,८६६	६०,६२३	७६,७३७
गाँठें	गाँठें	गाँठें

प्रभव :— डाइरैक्टर आफ लैंड रिकार्ड्ज ।

नत्थी

१६४७ से १६५० तक दालें, तैल बीज तथा

फसल का नाम	क्षेत्रफल एक्कड़ों में		
	१६४७-४८	१६४८-४६	१६४६-५०
क. दालें	—	—	—
१. मसूर	८,८१२	१०,२१६	६,५०४
२. मूंग, माष	६३,१२५	६३,६६६	६१,६३७
३. आपाढ़ी दालें	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	६६,०२०
ख. तैल बीज	—	—	—
१. अलसी, सरसों राई	६४,६०५	८५,६६३	५२,६८३
२. मूंगफली	३६,६८६	३७,५६७	२८,४३६
३. सीसामम	११,१६६	४,२८२	४,५१०
ग. अन्य फसल	—	—	—
१. गन्ना	७१,३१६	६७,३८१	५४,६६३
२. कपास	१,६२,६६८	१,८१,३६५	१,८८,४२८

नं० १

प्रसिद्ध फस्लों का क्षेत्रफल तथा उत्पत्ति

उत्पत्ति टनों में		
१६४७-४८	१६४८-४६	१६४६-५०
—	—	—
१,७०३	१,८५२	१,५११
७,०२४	८,१८१	७,०८१
अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	७,३७५
—	—	—
१५,६६१	११,४६५	७,६३२
८,०४७	५,७००	५,४१६
१,६०६	४०६	४३२
—	—	—
६३,६७२	५८,२०६	६१,३२४
७०,८६६ गांठें	६०,६२३ गांठें	७६,७३७ गांठें

प्रभव :— डाइरैक्टर आफ लैंड रिकार्डज ।

नत्थी

प्रतिष्ठापन — ३१ मार्च १६५० तक

जिला १	आवंत्रटनियों की कुल संख्या जिन्हें धारण अर्पित किया गया है २	क्षेत्रफल जिसका धारण अर्पित किया गया है ३	ग्राम संख्या जिनमें गृह आवंटित किया जायगा ४
		(प्रमाप एक्कड़)	
१. पटियाला	१५,४५६	६७,७७२	७२५
२. बरनाला	२,४८०	२८,६४४	३४०
३. भटिण्डा	६,५३१	४२,८७५	४४३
४. फतेहगढ़ साहिब	३,८६२	३४,७०२	६६८
५. संगरूर	६,६६०	४५,५५०	४०३
६. कपूरथला	१४,४०४	७४,७१३	६४३
७. कोहिस्तान	४४७	२,१६७	७२
८. महेंद्रगढ़	१,५८८	६,८६०	१६६
योग	५१,७८८	३,०६,३१३	३,१६३

नम्बर १०

प्रदत्त धारण का प्रदर्शक चित्र

ग्रामों की कुल संख्या जिनमें आवंटन किया जाएगा ५	ग्राम संख्या जिनमें आवंटन किया जाएगा ६	ग्राम संख्या जिनमें भू-खंड आवंटित किये गए हैं ७
५६६	१५६	५६६
१४६	१६१	१४६
३६६	४७	३६६
६६	२६६	६६
२४८	१५५	२४८
१५६	४८४	१५६
७२	—	७२
३८	१३१	३८
१,७००	१,४६३	१,७००

नत्थी

१६४६ में कारखानों द्वारा सामान बनाने के

कारखाने का नाम	रेजिस्टर्ड कारखानों की संख्या जिन्होंने १६४६ में काम किया	स्थायी पूंजी
१	२	१
		रु०
१. वनस्पति तेल	१५	२६,६६,५५०
२. लोहा तथा फौलाद	३१	३०,१३,५६८
३. सिलाई मशीनें	३	१,६०,१६६
४. जनरल इञ्जनीयरिंग	११	१०,६३,३४१
५. प्रकीर्ण उद्योग	१२	२,०५,२१,७३६
योग	७२	२,७०,५८,३६४

प्रभव :— डाइरैक्टोरेट उद्योग

नोट १. कोष्ठक नं० २ में वे कारखाने हैं जो २० से अधिक

२. प्रकीर्ण कारखानों में, सीमिंट, खांड शराब की भट्ठियां, चमड़ा रङ्गने के औद्योगिक समंकाधिनियम १६४२ के प्रावधान वश नहीं दिए जा सकते है।

३. कर्मचारी से भाव उस व्यक्ति से है जो किसी सामग्री निर्माण या सामग्री

४. कर्मचारियों के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों में वे कर्मचारी सम्मिलित है जो कर्मचारी वर्ग।

५. प्रौढ़ से भाव उस व्यक्ति से है जो सत्रह वर्ष की अवस्था पूरित हो।

६. बाल से भाव उस व्यक्ति से है जो सत्रह वर्ष की अवस्था के अन्तर्गत हों।

नम्बर ११

कारखानों में व्ययित पूंजी का नक्शा

सक्रिय पूंजी			
कच्चे सामान तथा ईन्धन सामग्री का मूल्य	उत्पाद तथा उपोत्पाद सामग्री का मूल्य	सक्रिय पूंजी का योग	उत्पादक पूंजी योग
४	५	६	७
१२,२७,४३४	८,२४,१४५	२०,५१,५७९	४७,२१,१२९
१२,८२,६१२	८,२१,३६५	२१,०३,९७७	५१,१७,५४५
११,८४३	१५,६८९	२७,५३२	२,१७,६९८
२,५०,८१५	३,१५,५१६	५,६६,३३१	१६,२९,६७२
९६,३१,८७९	२८,२५,८०३	१,२४,५७,६८२	३,२९,७९,४२१
१,२४,०४,५८३	४८,०२,५१८	१,७२,०७,१०१	४,४२,६५,४६५

व्यक्ति रखते हैं तथा शक्ति प्रयोग में लाते हैं।

कारखाने बिस्कुट तथा मांड़ आदि सम्मिलित किए गए हैं, जिनके पृथक्क्कड़े

क्योंकि उपरोक्त कारखानों में से प्रत्येक में निर्माणशालाओं की संख्या ३ से कम

निर्माण से सम्बन्धित किसी कारखाने में मजदूरी के लिए सेवा युक्त किया हो।

"मजदूर" शब्द से सम्बन्धित नहीं यथा लिपिकत्व, प्रबन्धक तथा प्राविधिक

नत्थी

१९४९ में जिलों द्वारा सामग्री निर्माण के

जिला	क्षेत्रफल एक्कड़ों में	१९४१ की संगणना के आधार पर जन-संख्या	निर्माण शालाओं की संख्या जिन्होंने १९४९ में काम किया	स्थायी पूंजी
१	२	३	४	५
१. कपूरथला	४,२१,५०५	२,७४,६२४	२३	१,०३,६७,६६४
२. फतेहगढ़ साहिब	४,३५,५४३	२,४२,६८४	२१	१४,४७,८३६
३. पटियाला	५,६६,४९२	४,७५ ?४०	८	५३,३१,७६६
४. बरनाला	७,४४,८४४	५,४२,४३६	६	१२,६०,७०८
५. भटिण्डा	१४,०८,५१४	६,६६,७६२	४	८,५२,५५०
६. संगरूर	१५,७२,६७१	६,१६,३६४	४	७,६०,१३४
७. महेंद्रगढ़	९,१३,७४६	४,५६,५८५	३	६६,७७,६४३
८. कोहिस्तान	४,२४,२४८	१,४०,०७५		
योग	६४,६०,८६३	३,४२,४००	७२	२,७०,५८,३६४

प्रभव :— डाइरैक्टोरेट आफ इन्डस्ट्रीज़

नोट :— कोष्ठ नं ४ में केवल वह कारखाने हैं जो २० से अधिक

नम्बर १२

कारखानों में व्यययित पूंजी चित्र

सक्रिय पूंजी			
कच्चे सामान के स्टाकों का मूल्य	निर्मित उत्पादन के स्टाकों का मूल्य	सक्रिय पूंजी योग	उत्पादक पूंजी योग
६	७	८	९
रु०	रु०	रु०	रु०
२२,४३,९८७	१८,५२,१६९	४०,९६,१५६	१,४४,६३,८५०
११,५३,६१६	५,९९,५२९	१७,५३,४१५	३२,००,९८४
८,११०,७५३	७,३१,६३२	२५,४२,३८५	७८,७४,१८१
२,५७,७०८	५,०२,२००	७,५९,९०८	२०,५०,६१६
२७,००,६३९	६,७८,२४८	३३,७८,८८७	४२,३१,४३७
३,३६,३६५	९५,३०१	४,३,६६६	१२,२१,८००
३९,०१,५१५	३,४३,४३९	४२,४४,९५४	११,२,२२,५९७
१,२४,०४,५८३	४८,०२,१५८	१,७२,०७,०११	४,४२,६५,४६५

व्यक्ति रखते हैं तथा शक्ति का प्रयोग करते हैं।

नत्थी

१६४६ में उद्योग का

उपभोग

कारखाने का नाम	निर्माण शालाओं की संख्या	उपयुक्त सामग्री की लागत तथा किया हुआ कार्य	उपभुक्त ईन्धन की लागत
१	२	३	४
		रु०	रू०
१. वनास्पति तेल	१५	१,०५,१८,७२८	२,७६,२४४
२. लोहा तथा फौलाद	३१	५०,१७,८६३	५,६८,६६०
३. सिलाई मशीनें	३	३१,१६४	२३,७२८
४. जनरल इन्जनीयरिंग	१६	८,६४,२६४	६७,०२१
५. प्रकीर्ण उद्योग (कारखाने)	१५	१,६६,७१,६२७	२६,०५,८५०
योग	७२	३,३४,३३,६७६	३६,०१,५२८

प्रभव :— डाइरैक्टोरेट आफ इण्डस्ट्रीज़

नोट :— कोष्ठ नं० २ में वही कारखाने हैं जो २० से अधिक

नं० १३

उपभोग तथा उत्पादन

योग	आय के उद्देश्य के अनुमत दर पर अवक्षयण	उत्पादन तथा उप-उत्पादन का पूर्ण-मूल्य तथा किया हुआ कार्य	निर्माण द्वारा संकलन कृत मूल्य कोष्ठ नं० ५ कोष्ठ नं० ६ तथा कोष्ठ नं० ७
५	६	७	८
१,०७,६४,६७२	१,४०,८६७	१,०६,६३,२७१	५७,४३२
५६,१६,५८३	२,००,२५२	७०,५४,३८४	१२,३७,५४६
५४,८८७	१०,७८१	१,६८,७६६	१,३३,१०१
६,६१,२८५	७६,३४६	१७,१३,६१८	६,४५,६८४
१,६८,७७,४७७	१५,८१,३७४	३,०२,३५,६२७	८८,१७,०७६
३,०३,३५,२०४	२०,०६,६२३	५,०२,३५,६६६	१,०८,६१,१४२

व्यक्तियों को रखते हैं तथा शक्ति का प्रयोग करते हैं।

नत्थी

१९४९ में कारखानों का

जिले का नाम	क्षेत्रफल एकड़ों में	१९४१ की जन-गणना के अनुसार जन संख्या	कारखानों की संख्या	उपभुक्त अनिर्मित द्रव्य तथा किया हुआ काम
१	२	३	४	५
				रु०
१. कपूरथला	४,२१,५०५	२,७४,६२४	२३	८६,१६,४१७
२. फतेहगढ़ साहिब	४,३५,५४३	२,४२,६८४	२१	८५,८७,२५८
३. पटियाला	५,६६,४६२	४,७५,१४०	८	५२,२२,६५२
४, बरनाला	७,४४,८४४	५,४२,४३६	६	२१.६०,५६६
५. भटिण्डा	१४,०८,५१४	६,६६,७६२	४	३०,००,१५६
६. संगरूर	१५,७२,६७१	६,१६,३६४	४	२१,४८,११८
७. महेन्द्रगढ़	६,१३,७४६	४,५६,५८५		
८. कोहिस्तान	४,२४,२४८	१,४०,०७५	३	३३,६५.४७६
योग	६४,६०,८६३	३,४२,४००	७२	३,३४,३३,६७६

प्रभव :— डाइरैक्टोरेट आफ इन्डस्ट्रीज

नोट :— कोष्ठ नं० ४ में वही कारखाने हैं जो २० से अधिक

नं० १४

उपभोग तथा उत्पादन

उपभोग				
उपभुक्त ईन्धन	योग	अनुमत दर पर अवक्षयण	उत्पादन तथा उपउत्पादन का पूर्णमूल्य तथा किया हुआ कार्य	निर्माण द्वारा संकलनकृत मूल्य कोष्ठ ७, ८ तथा ६
६	७	८	६	१०
रु०	रु०	रु०	रु०	रु०
५,६४,५८६	६४,८४,००६	८,१८,४६८	१,२६,५५,६२०	२६,५३१४६
५,२३,३३०	६१,१०,५८८	१,०१,५६६	१,०२,४६,५७५	१०,३७,४१८
३,०३,६२६	५५,२६,२८१	३,५८,१४६	५८,११,६४८	७२,४८२
१,२८,४०३	२२,८८,६६६	७६,०४६	२५,६०,४६७	२,२५,४१६
१,०५,१५३	३१,०५,३१२	६५,३६८	४०,४१,७२६	८,७१,०४६
३६,६६६	२१,८८,०८७	४४,५४६	२२,४७,६६३	१५,३५७
२२,३६,४५५	५६,३१,६३१	५,४५,४७१	१,२३,३६,६४०	१६१,६१,२३
३६,०१,५२८	३,७३,३५,२०४	२०,०६,६२३	५,०२,३५,६६६	१,०८,६१,१४२

व्यक्ति रखते हैं और शक्ति का उपभोग करते हैं।

नत्थी

१९४९ में कारखानों में सेवायुक्त

कारखाने का नाम	रजिस्टर्ड कारखानों की संख्या	मजदूरों की संख्या			मजदूरों का योग	अतिरिक्त व्यक्ति
		पुरुष	स्त्री	बच्चे		
१	२	३	४	५	६	७
१. वनास्पति तेल	१५	६०२	३४	५	६४२	१४५
२. लोहा तथा फौलाद	३१	११,४५	—	१०	१,४२५	१४२
३. सिलाई की मशीनें	३	१४०	—	२	१४२	११
४. जनरल इन्जनीयरिंग	११	६५४	—	१२	६६६	६१
५. प्रकीर्ण कारखाने	१२	४,३६१	१५०	७६	४,७८७	६६०
योग	७२	७,३७२	१८४	०५	७,६६५	११,०७६

प्रभव :— डाइरैक्टोरट आफ इण्डस्ट्रीज

नं० १५

व्यक्ति तथा परिदत्त मजदूरी

मजदूरों द्वारा की हुई मजदूरी	मजदूरों के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों को परिदत्त वृत्तियां	अन्य लाभों तथा अधिकारों का मूल्य	कर्मचारियों को दिया हुआ धन
८	९	१०	११
रु०	रु०	रु०	रु०
३,८२,९७१	१,३२,८८२	२१,६९४	५,२८,५४७
११,३६,०८१	१,५५,६३४	७८,२७८	१३,६६,९९३
८७,३१९	८,६१७	७००	९६,६३६
४,४३,२६६	९७,६१६	३,४७१	५,४४,३५३
३१,९६,०३०	११,९५,४३२	३,७३,१२३	४७,६४,५८५
५२,४५,६६७	१५,९०,४१८	४,६८,२६६	७३,०४,४१४

नत्थी

३१ दिसम्बर १६४६ को वर्ष समाप्ति पर कारखानों में कर्मकारियों

कारखाना	रजिस्टर्ड कारखानों की संख्या	पुरुष		
		मनुष्यों के कर्मां घण्टों का योग	मज़दूरी तथा बोनसों का योग	मजदूरों की प्रति घण्टा औसत आय
१	२	३	४	५
	संख्या	घण्टे	रुपए	रु०-आ०-पा०
१. बनस्पति तेल	१५	६,३४,२२२	३,७५,१४१	०-६-५
२. लोहा तथा फौलाद	३१	२७,२१,३३६	११,३३,५८१	०-६-८
३. सिलाई की मशीनें	३	३-४३,६६६	८७,०६३	०-४-१
४. जनरल इंजनीरिंग	११	१५,५८,७११	४,३७,४६४	०-४-६
५. प्रकीर्ण कारखाने	१२	६१,७१,६१३	३०,६६,८५१	०-५-४
योग	७२	१,४७,३०,१७८	५१,००,१३०	०-५-६

प्रभव :— डाइरैक्टोरेट आफ इण्डस्ट्रीज

नं० १६

के काम करने के घण्टे तथा प्रति घण्टा औसत आय

स्त्रियां			बच्चे		
स्त्रियों के कर्मी घण्टों की संख्या	मजदूरी तथा बोनसों का योग	मजदूरों की प्रति घण्टा औसत आय	बच्चों के कर्मी घण्टों की संख्या	मजदूरों तथा बोनसों का योग	मजदूरों की प्रति घण्टा औसत आय
६	७	८	९	१०	११
घण्टे	रुपए	रु०-आ०-पा०	घण्टे	रुपए	रु०-आ०-पा०
२५,१७२	७,६२७	०-४-१०	१,६५०	२०३	०-२-०
—	—	—	२३,६००	२,५००	०-१-८
—	—	—	३,२६७	२५६	०-१-३
—	—	—	२२,५५२	५,७७२	०-४-१
३,४४,२६२	८७,३९१	०-४-१	१,६८,२५६	४१,७८८	०-४-०
३,६९,४३४	९५,०१८	०-४-१	२,१९,३२५	५०,५१९	०-३-८

नत्थी

१६४६-५० में अवस्था के अनुसार

जिला	बालों के लिए							
	सरकारी				प्राईवेट प्रस्वीकृत			
	हाई	मिडल	लोइर	प्राईमरी	हाई	मिडल	लोइर मिडल	प्राईमरी
भटिएडा डिवीज़न								
१. जिला संगरूर	५	६	१७	१०५	१	१	—	—
२. ,, बरनाला	४	१८	१०	८७	४	५	१	१
३. ,, भटिएडा	१२	१२	११	२०४	६	३	१	२
४. ,, महेंद्रगढ़	६	११	१६	६१	१	३	१	२
पटियाला डिवीजन								
१. जिला पटियाला	३	२	५	६३	६	१	—	—
२. ,, कपूरथला	६	१८	१२	५२	५	४	—	१२
३. ,, कोहिस्तान	४	४	५	५२	—	—	—	—
४. ,, फतेहगढ़ साहिब	३	११	१४	६८	—	४	१	२
योग	४३	८५	६०	६६२	२३	२१	४	१६

महायोग :— १११५*

प्रभव :— डाइरैक्टर आफ ऐजुकेशन

*जिला कपूरथला में २ प्रौद्यौगिक पाठशालाओं का अपवर्जन

नम्बर १७

स्कूलों का वर्गीकरण

बालिकाओं के लिए							
सरकारी				प्राईवेट प्रस्वीकृत			
हाई	मिडल	लोअर मिडल	प्राईमरी	हाई	मिडल	लोअर मिडल	प्राईमरी
१	२	—	८	—	१	—	१
—	२	४	११	—	२	—	१
२	१	१	६	—	१	२	३
—	१	१	६	—	—	—	२
१	१	२	१०	--	१	--	१
३	—	—	८	—	—	—	२२
—	—	२	३	—	—	—	—
—	—	४	१७	—	१	—	—
७	७	१४	७२	—	६	२	३०

नत्थी

१६४६-५० में प्राथमिक तथा

बालों के लिए

डिवीज़न	प्राथमिक शिक्षण			*माध्यमिक शिक्षण		
	स्कूल	स्कूल	व्यय +	स्कूल	स्कूल	व्यय +
पटियाला	२४६	१५,५०६	१,६४,६७४	१०६	२२,७२०	६,६५,०८६
भटिण्डा	४६२	३०,१६६	४,५२,०३८	१५८	४७,६६७	१५,०६,५१३
योग	७११	४५,६७८	६,१६,७१२	२६७	७०,४१७	३१,७४,६०२

प्रमव :— डाइरैक्टोरेट ग्राफ ऐजुकेशन

*माध्यमिक से भाव लोइर मिडल, तथा हाई स्कूलों से है ।

+ व्यय सरकार द्वारा हुम्रा ।

नोट :— उपरोक्त ग्रंकड़े स्कूलों के डिविजीनल इन्स्पैक्टों तथा

नम्बर १८

माध्यमिक शिक्षण संस्थायें

बालिकाओं के लिए					
प्राथमिक शिक्षण			*माध्यमिक शिक्षण		
स्कूल	स्कूल	व्यय +	स्कूल	स्कूल	व्यय +
६१	५,२३८	३७,०३७	१६	१,०१२	५१.७५६
४१	२,५१३	७३,२८६	२१	२,६२१	६४,७२०
१०२	७,७५१	१,१०,३२६	३७	३,६३३	१,४६,४७६

इंस्पैक्टरों की वार्षिक रिपोर्टों से लिए गए हैं।

नत्थी

१६४८-४६-१६४६-५०तथा

जिला	॥जन– संख्या	१६४८-४६ *स्कूलों की संख्या				१६४६-५० *स्कूलों की	
		प्राथमिक	माध्यमिक +	योग	एक लाख जनता के लिए स्कूल	प्राथमिक	माध्यमिक +
१. पटियाला	४७५१४०	४६	१६	६८	१४.३	७४	२२
२. कपूरथला	• ७४६२४	७७	४७	१२४	४५.५	६४	५०
३. संगरूर	६१६३६४	६६	२६	१२५	२०.२	११४	३७
४. भाटिंडा	६६६७६२	२००	४५	२४५	३६.५	२१५	५२
५. बरनाला	५४२४३६	७८	४३	१२१	२२.३	१००	५०
६. फतेहगढ़ साहिब	२४२६८४	६४	२८	६२	३७.७	८७	३८
७. महेंद्रगढ़	४५६५८५	६३	२८	६१	१८.५	७४	४०
८. कोहिस्तान	१४००७५	४८	१५	६३	४४.६	५५	१५
योग	३४२४०००	६७८	२५१	६२६	२७.१	८१३	३०४

प्रभव :— डाइरैक्टोरेट आफ ऐजुकेशन

*सरकारी तथा प्राईवेट प्रस्वीकृत दोनों

+माध्यमिक से भाव लोइर मिडल, मिडल और हाई स्कूल से हैं

+जिला कपूरथला के २ प्रौद्योगिक स्कूलों का अन्तरावेशन

नम्बर ११

१९५०=५२ में स्कूल

संख्या		१९५०-५१				
			*स्कूलों की संख्या			
योग	एक लाख जनता के लिए स्कूल	‖जन-संख्या	प्राथमिक	माध्यमिक	योग	एक लाख जनता के लिए स्कूल
				+		
९६	२०.२	अनुपलब्ध	७६	२२	९८	अनुपलब्ध
१४४	५२.४	३६६५६०	८४	४९	१३१	३५.७
१५१	२४.३	६०८३५७	११४	३७	१५१	२४.८
२६७	३९.८	अनुपलब्ध	२१३	५१	२६६	अनुपलब्ध
१५०	२७.६	,,	१०९	६१	१७०	,,
१२५	५१.४	२३३८६६	८६	३७	१२३	५२.५
११४	२४.८	अनुपलब्ध	७१	३९	११०	अनुपलब्ध
७०	४९.९	,,	५२	१३	६५	,,
+१११७	३२.६	,,	८०५	३०९	१११४	,,

‖यह संगणना १९४१ की जन-संख्या के अनुसार है।

नत्थी

१९५०-५१ में अवस्था के अनुसार

जिला	वालों के लिए							
	सरकारी स्वामित्व				प्राईवेट प्रस्वीकृत			
	हाई	मिडल	लोअर मिडल	प्राईमरी	हाई	मिडल	लोअर मिडल	प्राईमरी
भटिएडा डिवीज़न								
१. ज़िला संगरूर	५	९	१७	१०५	१	१	—	—
२. ,, बरनाला	५	३१	१७	९२	४	५	१	१
३. ,, भटिएडा	१३	११	११	२०२	६	३	१	२
४. ,, महेन्द्रगढ़	८	११	१६	५८	१	३	१	२
पटियाला डिवीज़न								
१. ज़िला पटियाला	३	२	५	६५	६	१	—	—
२. ,, कपूरथला	५	१८	१२	४४	५	४	—	१२
३. ,, कोहिस्तान	४	२	४	४३	—	—	—	—
४. ,, फतेहगढ़साहिब	३	११	१३	६८	—	४	१	२
योग	४३	८५	९५	६७७	२३	२१	४	१९
महायोग	११११२*							

*जिला कपूरथला के २ प्रौद्यौगिक स्कूलों का अपवर्जन

नोट :— इस वर्ष कोई नवीन स्कूल नहीं खोला केवल पंजाब पैपसू में परस्पर

नम्बर २०

स्कूलों का वर्गीकरण

बालिकाओं के लिए							
सरकारी स्वमित्व				प्राईवेट प्रस्वीकृत			
हाई	मिडल	लोअर मिडल	प्राईमरी	हाई	मिडल	लोअर मिडल	प्राईमरी
१	२	—	८	—	१	—	१
—	२	४	१५	—	२	—	१
२	१	—	६	—	१	२	३
—	१	१	९	—	—	—	२
१	१	२	१०	—	१	—	१
३	—	—	६	—	—	—	२२
—	१	२	९	—	—	—	—
—	—	४	१६	—	१	—	—
७	८	१३	७९	—	६	२	३०

परिवर्तितः अन्तराविष्ट तथा अपवर्जित किए गए हैं।

महादेवी ओंकार प्रैस पुरानी रेलवे रोड जालंधर नगर में मुद्रित ।